शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 338 | गुवाहाटी | सोमवार, 8 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधरोपण की पहल देश के लिए मिसाल : पीएम — पेज 2
औरंगजेब सनातन धर्म को नहीं हरा पाए : डॉ. शर्मा — पेज 3
विदेशी महिला से पैदा बेटा देश का भला नहीं कर सकता : दिलावर — पेज 5
जय शाह बोले - वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल-चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित कप्तान... — पेज 7

मुख्यमंत्री ने पलाशबाड़ी में बाढ़ की स्थिति का लिया जायजा

बाढ़ का दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए काम कर रही है सरकार : सीएम

बाढ़ पीड़ितों को पीएमएवाई योजना के तहत दिया जाएगा घर

गुवाहाटी (हि.स.)। असम बाढ़ से जूझ रहा है, ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज कामरूप (ग्रामीण) जिले के पलाशबाड़ी का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तीन राहत शिविरों का दौरा किया, सरकार द्वारा किए जा रहे बचाव, राहत और पुनर्वास उपायों पर ध्यान देने के लिए बाढ़ पीड़ितों के साथ समय बिताया। अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ शर्मा सबसे पहले अमृत चंद्र ठाकुरिया कॉमर्स कॉलेज, पलाशबाड़ी में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया और शिविर में शरण लिए 28 बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ समय बिताया। उन्होंने शिविर में रहने वाले लोगों के बीच सुरक्षित पेयजल, शिशु आहार, दवाओं जैसी राहत सामग्री के वितरण का जायजा लिया। डॉ शर्मा ने रामपुर एजुकेशनल ब्लॉक के अंतर्गत नाहिरा में नंबर-1 सतरापारा एलपी स्कूल का भी दौरा किया और शिविर में अस्थायी रूप से आश्रय लेने वाले लगभग 29 बाढ़ प्रभावितों से बात की। उन्होंने डीसी कीर्ति जल्ली से शिविर में रहने वाले लोगों को राहत सामग्री का पर्याप्त वितरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने डीसी को यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि शिविर में आश्रय लेने वाले शिशुओं और वृद्ध लोगों की जरूरतों को पूरा किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने नाहिरा गुइमारा हाई स्कूल में स्थापित एक राहत शिविर का भी दौरा किया और शिविर में रहने वाले लोगों से बातचीत की। गौरतलब है कि राहत शिविर में 236 बाढ़ प्रभावित लोग शरण लिए हुए हैं। उन्होंने उनसे कहा कि सरकार बाढ़ के पानी से -शेष पृष्ठ दो पर

नाले में गिरे अविनाश का शव राजगढ़ में बरामद

फोटो : दशरथ डेका

गुवाहाटी (हि.स./एजे)। नाले में गिरे अविनाश सरकार का शव रविवार को गुवाहाटी के राजगढ़ रोड स्थित एक नाले से बरामद किया गया। शव को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड (जीएमसीएच) अस्पताल ले जाया गया। बरामदगी के बाद अविनाश के पिता और माता जीएमसीएच पहुंचे और शव की पहचान की। राजगढ़ में बरामद बच्चे का शव अविनाश सरकार का ही शव है, जो ज्योतिनगर में नाले में गिर गया था। रविवार को शव मिलने के बाद गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) में ले जाया गया। बाद में माता-पिता ने अपने बच्चे की पहचान की। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बचाव एजेंसियों ने पहाड़ी ज्योतिनगर से चार किलोमीटर से अधिक नीचे राजगढ़ इलाके में शव बरामद किया, जहां लड़का नाले में गिर गया था। माता-पिता ने शुरू में उनके साथ साझा की गई तस्वीरों के आधार पर शव की पहचान की और बाद में अस्पताल में जाकर भी पुष्टि की। दरअसल, असम के सबसे बड़े शहर गुवाहाटी के कुछ हिस्से बाढ़ की चपेट में हैं। यहां गुवाहाटी -शेष पृष्ठ दो पर

कुलगाम मुठभेड़ में छह आतंकवादी ढेर दो जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुई दो मुठभेड़ों में छह आतंकवादी मारे गए और दो जवान शहीद हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोदरगाम मुठभेड़ स्थल से दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए जबकि चिन्नीगाम स्थल से रविवार को चार शव बरामद किए गए। कुलगाम जिले के दो गांवों में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने अनुपस्थित शिक्षकों पर कसी नकेल, 4,907 का वेतन रोका

गुवाहाटी। असम सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए स्कूल के समय अनुपस्थित पाए गए शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की है और राज्य के सरकारी स्कूलों में 4,907 शिक्षकों का वेतन रोक दिया है। यह निर्णय तब लिया गया जब पाया गया कि ये शिक्षक शिक्षा सेतु ऐप पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में विफल रहे, जबकि उन्हें इस निर्देश का पालन करना अनिवार्य था। मीडिया से बात करते हुए, शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने खुलासा किया कि 33 जिलों के 4,000 से अधिक शिक्षकों ने ऐप की उपस्थिति दर्ज करने की आवश्यकता का पालन नहीं किया। इस गैर-अनुपालन ने राज्य को अगली सूचना तक उनके वेतन को रोकने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि जैसा कि विभिन्न तिमाहियों में बताया गया है, शिक्षकों का वेतन केवल रोका गया है, रोका नहीं गया है। उन्होंने आगे बताया कि यह समझने के लिए जांच शुरू की गई है कि उन्होंने अपनी प्रोफाइल बनाने के बावजूद -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

संघर्ष ही इंसान को सशक्त और मजबूत बनाता है, फिर चाहे वो कितना भी कमजोर क्यों न हो।

-अज्ञात

शिवसागर में छात्र ने चाकू से शिक्षक पर किया वार, मौत

शिवसागर। 11वीं कक्षा के एक छात्र ने अपने शिक्षक पर चाकू से कई वार किए, जिससे उनकी मौत हो गई। कक्षा के अन्य छात्रों से पता चला कि कम नंबर आने पर शिक्षक ने उसकी डांट लगाई थी और अगले दिन अभिभावक को लाने के लिए कहा था। हालांकि पुलिस ने छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बच्चों में गुस्से की प्रवत्ति काफी बढ़ती जा रही है, आए दिन इससे जुड़ी एक न एक घटना देखने मिल ही जाती है। अब हाल ही में असम के शिवसागर जिले में एक घटना सामने आई है। जिसमें 16 साल के कक्षा 11 में पढ़ने वाले छात्र ने अपने शिक्षक पर चाकू से हमला किया। जिससे उनकी मौत हो गई। दरअसल शिक्षक राजेश बरुआ बेजवाड़ा एक प्राइवेट स्कूल में -शेष पृष्ठ दो पर

देश के लिए मरने की नहीं, जीने की जरूरत : अमित शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के विकास में कडवा पाटीदार समुदाय की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि जीने की जरूरत है। वह मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां छात्रों के लिए एक छात्रावास का उद्घाटन किया गया। शाह ने दोपहर में शहर में एक अस्पताल का भी उद्घाटन किया। इसके अधिकारियों ने बताया कि अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन का निर्माण कडवा पाटीदार समुदाय द्वारा किया गया है और इसमे सभी सामाजिक समूहों के छात्रों के रहने की सुविधा होगी। गृह मंत्री ने छात्रों से कहा कि आज देश के लिए मरने की जरूरत नहीं है, बल्कि उसके लिए जीने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आप एक अच्छे आईएएस, आईपीएस, सीए, डॉक्टर, अच्छे नागरिक या गृहिणी हो सकते हैं, लेकिन आपको देश के लिए काम करने की जरूरत है। -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यपाल की शिकायत के बाद एक्शन में केंद्र

पुलिस आयुक्त-उपायुक्त के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई

कोलकाता। केंद्र सरकार ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और पुलिस उपायुक्त इंदिरा मुखर्जी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। दोनों पुलिस अधिकारियों पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के कार्यालय को बदनाम करने का आरोप है। केंद्र सरकार के एक अधिकारी के अनुसार दोनों पुलिस अधिकारियों ने राज्यपाल के कार्यालय के बारे में झूठी अफवाहें फैलाई। आपको बता दें कि इससे पहले राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट भेजी थी। रिपोर्ट में -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

महुआ मोइत्रा के विरुद्ध केस दर्ज

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष पर अभद्र टिप्पणी के मामले में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के विरुद्ध दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने केस दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दिल्ली पुलिस मुख्यालय के अनुसार राष्ट्रीय महिला आयोग से -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में एक और पुलिया ध्वस्त आवागमन बाधित

मधुबन। पूर्वी चंपारण के मधुबन प्रखंड की कोइलहरा पंचायत के लोहरगांवा गांव में बनी आरसीसी पुलिया शनिवार देर शाम धराशायी हो गई। पुलिया के ध्वस्त होने के बाद ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो गया है। बताया जाता है कि चार दिनों से हो रही बारिश के कारण पुलिया ध्वस्त हुई है। हालांकि, कुछ ग्रामीण बताते है कि पिछले वर्ष ही अत्यधिक वर्षा में पुलिया बेजान हो गई थी। 14वीं वित्त आयोग के -शेष पृष्ठ दो पर

देवघर में तीन मंजिला पुरानी इमारत गिरी, तीन की मौत

देवघर (हि.स.)। झारखंड के देवघर में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। नगर थाना क्षेत्र के सीता होटल के पास बमबम बाबा पथ हंसकुप मुहल्ले में एक तीन मंजिला इमारत ढह गई। हादसे के बाद शुरू हुआ एनडीआरएफ और प्रशासन की टीम का रेस्क्यू ऑपरेशन आठ घंटे बाद खत्म हुआ। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार लोग सुरक्षित निकाले गए। इस हादसे में मनीष दत्त द्वारी (50), सुनील यादव (35) और सुनील यादव की पत्नी सोनी देवी (28) की मौत हो गई। दिनेश बर्नवाल, मुन्नी बर्नवाल, सत्यम और अनुपमा देवी घायल हैं, जिनका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद एनडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग की टीम को घटनास्थल पर प्रतिनियुक्त किया गया है। घटनास्थल पर डीसी और एसपी कैंप कर रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम ने तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर मलबे में फंसे लोगों को एक-एक -शेष पृष्ठ दो पर

आंध्र प्रदेश में सीमेंट फैक्ट्री में विस्फोट 15 घायल

अमरावती। आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले में स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। इस हादसे में 15 लोगों के घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हालांकि विस्फोट के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। जिला प्रशासन ने घटना की जांच के लिए एक टीम का गठन कर दिया है। विस्फोट के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक -शेष पृष्ठ दो पर

नंदीघोष रथ पर निकले भगवान जगन्नाथ राष्ट्रपति ने किए दर्शन, पीएम मोदी ने भेजा संदेश

पुरी। भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा पर ओडिशा के पुरी में जनसैलाब उमड़ पड़ा है। देश भर से लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचे हैं और भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र की रथ यात्रा के उत्सव में शामिल हो रहे हैं। रविवार दोपहर को हजारों लोगों ने पुरी के 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर से विशाल रथों को खींचकर करीब 2.5 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर की ओर बढ़ाया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने तीनों रथों की *परिक्रमा* की और देवताओं के सामने माथा टेका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रथ यात्रा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने शुभकामना देते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा के अवसर पर -शेष पृष्ठ दो पर

मंगल ग्रह पर इंसानों को बसाने का काम शुरू, नासा के बने घर में 378 दिन बिता कर लौटे चार वैज्ञानिक

वाशिंगटन। इंसानों को चांद पर पहुंचाने के बाद उनको अब मंगल ग्रह पर बसाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। अगर सब कुछ सही रहा तो अगले सात साल यानि 2030 तक लाल ग्रह पर इंसानों को भेजना शुरू हो जाएगा। मंगल ग्रह पर इंसान कैसे रह पाएंगे, इसी को लेकर एक ट्रायल किया गया जिसके लिए नासा ने चार लोगों को चुना जिनमें कनाडाई जीवविज्ञानी केली हेस्टन भी शामिल थीं। अब एक साल बाद नासा के अंतरिक्ष यात्री एक अनोखा अनुभव करके वापस आ चुके हैं। नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर के उप निदेशक स्टीव कोर्नर ने कहा कि हम लोगों को मंगल ग्रह पर भेजने की तैयारी कर रहे हैं। नासा के एक अंतरिक्ष यात्री ने एक दरवाजे के पीछे से तीन बार जोर से पूछा कि क्या आप बाहर आने के लिए तैयार हैं? उनका उत्तर तब साफ सुनाई देता है, जब दरवाजा खुलता है। दरअसल, नासा के चार वैज्ञानिक एक साल तक इंसानी संपर्क से दूर रहकर वापस लौट आए हैं। उनके आते ही तालियों की -शेष पृष्ठ दो पर

36 की उम्र तक महिला ने पैदा किए 44 बच्चे

कंपाला। वर्तमान में महंगाई के जमाने जहां महिलाएं एक या दो बच्चों से ज्यादा बच्चे नहीं पैदा करना चाहता है। लेकिन दुनिया में एक महिला ऐसी भी है जिसने महज 36 साल की उम्र में 44 बच्चों को पैदा किया। युगांडा की एक महिला है जो 44 बच्चों को जन्म देने के लिए जानी जाती है का नाम मरियम नबातनजी बबिरिये है। उसका जन्म साल 1980 में हुआ था। बबिरिये के अनुसार, उसकी मां ने उसके जन्म के तीन दिन बाद ही उसके परिवार और उसके पांच भाइयों को छोड़ दिया था। जब वह 7 साल की थी तब उसकी सौतेली मां ने उसके बड़े भाई-बहनों के भोजन में कटा हुआ गिलास मिला दिया जिससे वे सभी मर गए। उस वक्त बबिरिये किसी रिश्तेदार से मिलने गई हुई थी इसलिए वह बच गई। महिला जब 12 साल की थी तब 40 साल के एक शख्स के साथ उसकी जबरन शादी करा दी गई। जिस शख्स से मरियम की शादी हुई थी उसने कई और शादियां भी की थी। मरियम उसकी पांचवी पत्नी है। 13 साल की उम्र में महिला ने बच्चों को पैदा करना शुरू किया। 36 साल की उम्र तक महिला ने कुल 44 बच्चों को जन्म दिया। फिलहाल महिला की उम्र 44 साल है और उसके 38 बच्चे अभी भी जिंदा है। जिनमें से 10 लड़कियां हैं -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements à¿lease contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE
Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधरोपण की पहल देश के लिए मिसाल : पीएम

भोपाल (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने *एक पेड़ मां के नाम* अभियान में राजधानी भोपाल में बड़ी संख्या में पौधरोपण कर एक दिन में 12 लाख पौधे लगाने का रिकॉर्ड स्थापित करने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और भोपाल के नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने रविवार को ट्वीट कर कहा है कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और भोपाल के मेरे भाई-बहनों की यह पहल देशभर के लिए मिसाल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे प्रयास पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा सदैव देश का सामूहिक संकल्प बनकर जन सहभागिता के माध्यम से इतिहास रचती रही है। स्वच्छता अभियान से देश की तस्वीर बदलने से लेकर कोरोना को पराजित करने तक देश ने प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर विश्व के सामने अद्भुत मिसाल पेश की। निश्चित ही एक पेड़ मां के नाम अभियान भी देश में पर्यावरण संरक्षण के साथ मां की सेवा के पवित्र भाव को मजबूती प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने 5.50 करोड़ पौधरोपण का संकल्प साकार करने का बीड़ा उठा लिया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने शनिवार को जम्बूरी मैदान, भोपाल में पौधा रोपकर प्रदेश में इस अभियान की शुरुआत की।

वर्ली हिट एंड रन मामले में बिना किसी राजनीतिक दबाव के करें कार्रवाई : सीएम

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने वर्ली हिट एंड रन मामले में बिना किसी राजनीतिक दबाव के कार्रवाई करने का पुलिस को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री शिंदे के इस निर्देश के बाद उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी पुलिस को इस मामले में कठोर कार्रवाई करने का आदेश पुलिस को दिया है। रविवार सुबह शिवसेना शिंदे समूह के नेता राजेश शाह की बीएमडब्ल्यू कार ने कोली समाज के मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को टक्कर मार दिया था। इस घटना में महिला की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा घायल हो गया था। इस घटना में वर्ली पुलिस ने कार मालिक राजेश शाह को हिरासत में ले लिया है, जबकि कार चला रहे उनके बेटे मिहिर शाह और ड्राइवर के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। दोनों अभी तक फरार हैं। इस घटना के बाद शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे वर्ली पुलिस स्टेशन में गए थे और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि वर्ली में हुए हिट एंड रन के मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। दोषियों के विरुद्ध कानून सम्मत कार्रवाई होगी। चाहे वह कोई पदाधिकारी हो या कार्यकर्ता। कोई भी पार्टी हो, हमारी स्थिति यह है कि सरकार और कानून के सामने हर कोई बराबर है। वर्ली में जो घटना हुई, वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके बाद उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री फड़णवीस ने मुंबई पुलिस को बिना किसी राजनीतिक दबाव के कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुजफ्फरपुर के कनिष्क नारायण यूके में सांसद निर्वाचित

पटना (हि.स.)। बिहार में मुजफ्फरपुर के मूल निवासी और वर्तमान में वेल्स यूनाइटेड किंगडम में रह रहे संतोष कुमार और चेतन सिन्हा के पुत्र कनिष्क नारायण वेल्स यूके से लेबर पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीत कर सांसद बने हैं। इससे पूर्व 33 वर्षीय कनिष्क सिविल सर्विस में थे। चुनाव की घोषणा के बाद नौकरी से इस्तीफा देकर मैदान में उतरे थे। कनिष्क नारायण के यूके में सांसद निर्वाचित होने की खबर सुनते ही मुजफ्फरपुर में बधाई देने वालों का ताता लग गया। कनिष्क एसकेजे लॉ कॉलेज के निदेशक जयंत कुमार के भतीजा हैं। करीब दो महीने पहले वह एक पारिवारिक पूजा में शामिल होने के लिए माता-पिता के साथ भारत आए थे लेकिन चुनावी व्यस्तता के कारण दिल्ली से ही वापस लौट गए। कनिष्क के सांसद बनने की सूचना मिलने पर शहर के दामु चक स्थित सांधो अपार्टमेंट में जश्न शुरू हो गया।

राजस्थान के 11 जिलों में तेज बरसात का अलर्ट, हनुमानगढ़ में छत गिरने से दो भाइयों की मौत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में बीते एक सप्ताह से जमकर बरस रहे मानसून की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। आज भी 11 जिलों में बारिश का अलर्ट है। वहीं, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ सहित कुछ जिलों में बीते 24 घंटे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। हनुमानगढ़ में बारिश के कारण एक मकान की छत गिर गई। हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई। लगातार बारिश के कारण प्रदेश के कई जिलों में नदी-नाले भी उफान पर हैं। टोंक-सवाई माधोपुर में गुरुवार-शुक्रवार हुई तेज बारिश के बाद से बनास नदी उफान पर है। इस कारण जयपुर-चौथ का बरवाड़ा-शिवाड़ मार्ग शनिवार से बंद है। जबकि, मध्य प्रदेश को जोड़ने वाला कोटा-श्योपुर मार्ग 20 घंटे बंद रहने के बाद रविवार सुबह खुला है। बीकानेर के लूणकरनसर में रविवार तड़के करीब दो घंटे जमकर बारिश हुई। कस्बे के अधिकांश मोहल्लों में पानी भर गया है, निचले इलाकों में पानी एक फीट तक भर गया। लूणकरनसर से गुजरते वाले नेशनल हाइवे पर दोनों तरफ पानी भर गया। हनुमानगढ़ में बारिश के कारण टिब्बी तहसील के राठीखेड़ा पंचायत के गांव चक 2 जीजीआर में एक मकान की छत गिर गई। हादसे में दो सगे भाइयों अमित और सुमित की मौत हो गई जबकि परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में चल रहा है। परिवार मूल रूप से बिहार का है। हनुमानगढ़ में कई साल से खेतिहर मजदूरी कर रहा था। टोंक और सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा इलाके में हुई जोरदार बारिश से बनास नदी में शनिवार दोपहर अचानक उफान आ गया। इसका असर रविवार सुबह तक दिखाई दे रहा है। यहां चौथ का बरवाड़ा से शिवाड़ एवं जयपुर जाने वाले मार्ग पर देवली एवं एंचेर गांव के पास बनी पुलिया के ऊपर से पानी ओवरफ्लो हो गया। इससे शिवाड़ से चौथ का बरवाड़ा एवं जयपुर मार्ग पिछले 19 घंटे से बंद है। लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कोटा को मध्य प्रदेश से जोड़ने वाले रास्ते पर पुलिया से पानी बहने के कारण संपर्क कट गया था। रविवार सुबह पानी उतरने के बाद यातायात फिर शुरू हो गया है। यह पुलिया खातोली (इटावा) में पार्वती नदी पर है। रातभर इस पर चादर (ओवरफ्लो) चली। कल दिन में चार से पांच फीट तक की चादर चलने से कोटा का मध्य प्रदेश से संपर्क कटा रहा। टोंक जिले में दो दिन लगातार हुई बारिश से लावा पंचायत का संपर्क गणेशपुरा, भेरूपुरा, बालापुरा, नयागांव बागरियाा की ढाणी से कट गया। यहां विजय सागर बांध पर चादर चलने के कारण पुलिया पर रविवार सुबह भी पानी बह रहा है। शनिवार शाम को ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार रात से ही लावा क्षेत्र में बिजली नहीं है। नया गांव के ग्रामीणों ने बताया कि खाने-पीने का सामान लावा से खरीद कर दो से ढाई फीट पानी के तेज बहाव में अपनी जान को जोखिम डालकर अपने गांव पहुंच रहे हैं। शनिवार को राज्य के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई, जबकि शेष जगह राज्य में मौसम ड्राई (शुष्क) रहा। जयपुर में भी दिनभर बादल रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई।

पृष्ठ एक का शेष

बाढ़ का दीर्घकालिक ...

क्षतिग्रस्त या बह गए उनके घरों की मरम्मत या पुनर्निर्माण के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने डीसी से उन लोगों के नाम सूचीबद्ध करते हुए एक सूची तैयार करने को भी कहा कि जिनके घर या तो क्षतिग्रस्त हो गए हैं या बाढ़ के पानी में बह गए हैं, ताकि सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए आवश्यक कदम उठा सके। मुख्यमंत्री ने राहत शिविर में शरण लिए बच्चों के साथ भी कुछ पल बिताए। डॉ शर्मा ने मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए कहा कि सरकार असम में बारहमासी बाढ़ का दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री के साथ विधायक हेमांग ठाकुरिया, जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, राज्य के 29 जिलों के 107 राजस्व क्षेत्र और 3,535 गांवों के कुल 23,96,648 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। असम में निमातीघाट (जोरहाट) में ब्रह्मपुत्र, तेजपुर (शोणितपुर) और धुबड़ी, चेनिमारी (डिब्रूगढ़) में बुरहिडीहिंग, दिखौ (शिवसागर), नांगलमुराघाट (शिवसागर) में दिसांग, नुमालीगढ़ (गोलाघाट) में धनसिरी, धरमतुल (नागांव) में कोपिली, करीमगंज में कुशियारा, और (बी पी घाट) कछार में बराक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। यहां बोरझार में स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने धुबड़ी, कोकराझार, चिरांग, बाक्सा, कछार और करीमगंज में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि जिनके घर बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें पीएमएवाई योजना के तहत घर देने का आदेश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए कहा कि असम में बाढ़ के कारण कई परिवारों के घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वे हमारे राहत शिविरों में आए हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आज मैं पलाशबाड़ी में ऐसे कुछ लोगों से मिला और उनके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के अंतर्गत नए घर दिलाने का निर्देश दिया है।

नाले में गिरे अविनाश ...

के पहाड़ी इलाके ज्योतिनगर में गुरुवार शाम को अभिनाश अपने पिता की स्कूटी से फिसलकर खुले नाले में गिर गया था। अपने बेटे को ढूंढने के लिए उन्होंने भी छलांग लगा दी थी, लेकिन कामयाब नहीं हुए। तभी से पिता हरलाल सरकार अपने बच्चे की तलाश में जुटे थे। उन्हें बच्चे की चप्पल मिली थीं, जिन्हें पुलिस को वेरिफिकेशन के लिए सौंप दिए थे। इस घटना का पता चलने के बाद से प्रशासन भी मुस्तैदी से उस बच्चों को ढूंढने में जुट गया था और कई मशीनों के साथ-साथ खोजी कुत्तों को भी नाले में गिरे बच्चे की तलाश में लगाया गया था। इस बीच, हरलाल ने रोते हुए पत्रकारों को बताया था कि मैं लोहे की छड़ से नाले में तलाश कर रहा हूं और इनकी मदद से मुझे बेटे के सैंडल मिले हैं। मैं उसे इस छड़ से नहीं ढूंढ सकता। सरकार के पास मशीनरी है, उन्हें मेरे बेटे को ढूंढना ही होगा। टी-शर्ट और हाफ-पैंट पहने हुए हरलाल कीचड़ और कचरे में अपने बेटे को ढूंढ रहे थे। वह पिछले 72 घंटों से अपने बच्चे की तलाश में जुटे थे और रात को थक जाने पर पास के ही एक दुकान के बरामदे में लेट गए थे। उन्होंने कसम खाई थी कि जब तक वह अपने बेटे को ढूंढ नहीं लेते, तबतक वह आराम से नहीं बैठेंगे। हरलाल ने सीएम से कहा था कि मैं घर कैसे जा सकता हूं, जब मेरा बेटा यहां हैं। मुझे पता है कि मेरा बेटा यहां हैं और मैं उसे ढूंढने तक आराम नहीं कर सकता। बता दें कि गुरुवार देर शाम भारी बारिश के बीच अभिनाश अपने पिता के साथ उनकी दुकान से घर लौट रहा था, तभी उनकी स्कूटी फिसल गई थी और पीछे बैठा अभिनाश फिसलकर खुले नाले में गिर गया था। हरलाल ने बताया था कि उन्हे एक-दो बार नाले में बेटे का हाथ दिखा और वह उसे पकड़ने के लिए नाले में कूदे, लेकिन सफल नहीं रहे। अधिकारियों ने बताया था कि तलाशी अभियान में राज्य आपदा प्रतिसाद बल (एसडीआरएफ), अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग तथा नगर निगम सहित कई एजेंसी समन्वय कर रही हैं। उन्होंने कहा था कि नाला कई जगह कंक्रीट के स्लैब से बंद किया गया है और इन स्लैब को हटाकर बच्चे की तलाश की जा रही है। इस बीच, हरलाल और उनकी पत्नी ने मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा से भी मुलाकात की थी। सीएम ने बचाव दलों को अपना खोज अभियान तेज करने का आदेश दिया है।

कुलगाम मुठभेड़ में ...

एक पैरा कमांडो समेत दो सैन्यकर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। अभियान के बारे में बताते हुए जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आतंकवादियों का सफाया करना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि निस्संदेह सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह एक बड़ा मील का पत्थर है। ये सफलताएं वास्तविक रूप से और संदेश के लिहाज से भी बहुत सार्थक हैं। स्वैन ने कहा कि अभियान की सफलता इस बात का संकेत है कि जम्मू-कश्मीर में आतंक के खात्मे की लड़ाई अपने अंजाम तक पहुंचेगी।

राज्य सरकार ने ...

ऐप पर अपनी उपस्थिति क्यों दर्ज नहीं की। पेगू ने कहा कि प्रतिनियुक्ति पर या छुट्टी पर या किसी अन्य काम में लगे शिक्षकों को जांच से छूट दी गई है। उन्होंने आगे बताया कि शिक्षकों को अपने कार्यों को सही ठहराने का मौका दिया जाएगा। अगर जांच समिति को उनका औचित्य उचित और सही लगता है, तो उनका वेतन तुरंत जारी कर दिया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, सचिव नारायण कोंवर ने दोषी शिक्षकों की एक विस्तृत सूची तैयार की है और इसे जिला अधिकारियों को सौंप दिया है। जिला आयुक्तों (डीसी) को अनुपस्थिति के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए प्रत्येक मामले की जांच करने का काम सौंपा गया है। यह कदम शिक्षकों के बीच जवाबदेही और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिसका उद्देश्य असम के सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है।

शिवसागर में छात्र...

रसायन विज्ञान शिक्षक थे, साथ ही स्कूल में प्रबंधकीय जिम्मेदारियां भी संभालते थे। उन्होंने अपनी कक्षा में बीते रोज एक छात्र उसका प्रदर्शन खराब होने पर डांटा। उसको कहा कि वो अगले दिन अपने माता-पिता को लेकर स्कूल आए। इस बात से छात्र गुस्से में था। अगले दिन पर स्कूल यूनीफार्म में स्कूल नहीं आया। इस बात पर फिर शिक्षक ने उसे डांटा और वापस घर जाने को बोला। शिक्षक की बात सुनकर छात्र खड़ा हुआ और उनके पास गया। उसके हाथ में चाकू था, अचानक से उसने शिक्षक के सिर पर चाकू से वार करना शुरू कर दिया। शिक्षक के सर से खून निकलने लगा और वो वहीं गिर पड़े। आनन-फानन में उन्हें डिब्रूगढ़ ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं कक्षा के अन्य छात्रों से बात की, तो उन्होंने बताया कि हमें नहीं पता था कि उसके हाथ में चाकू है। वह उस दिन यूनिफार्म में स्कूल नहीं आया था। इस बात पर उसकी डांट पड़ी थी। उधर इस भयावह घटना ने असम के शिवसागर जिले को झकझोर कर रख दिया है। इस भयानक घटना के चश्मदीद एक छात्र ने मीडिया को बताया कि आरोपी स्कूल से चला गया और वापस सामान्य कपड़ों में आया। जब वह क्लास में दाखिल हुआ, तो टीचर ने पहले तो उसे आराम से जाने को कहा कि लेकिन जब उसने अनसुना कर दिया, तो टीचर ने उस पर चिल्लाना शुरू कर दिया। गवाह ने कहा कि उनके रिएक्शन से गुस्साए छात्र ने चाकू निकाला और टीचर के सिर के नीचे की ओर वार किया। हमें नहीं पता था कि उसके पास धारदार हथियार है। हमारे टीचर घायल हो गए और फर्श पर गिर गए और उनका खून बह रहा था। पीड़ित को तत्काल चिकित्सा के लिए डिब्रूगढ़ ले जाया गया, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इस बीच, हमले के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है।

देश के लिए मरने ...

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कडवा पाटीदार समुदाय ने गुजरात के विकास में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि गुजरात और पाटीदार समुदाय का समानांतर विकास हुआ है। अपनी कड़ी मेहनत से कडवा पाटीदार समुदाय ने अपने विकास के साथ-साथ राज्य और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर गुजरात के कडवा पाटीदार समुदाय के कई संस्थानों में पढ़कर आज जनता देश की सेवा कर रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि दो दशक पहले मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए *शाला प्रवेशोत्सव* और *कन्या केलवणी महोत्सव* की वजह से राज्य में शिक्षआ क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना बहुत जरूरी है। शिक्षा विकास की नींव है। देश के भविष्य को संवारने के लिए शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार प्रयासरत है। शाह ने अहमदाबाद में नवनिर्मित मल्टी-स्पेशियलिटी एसएलआईएमएस अस्पताल का भी उद्घाटन किया। तीस करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बना आठ मंजिला अस्पताल में ओपीडी सुविधाओं के साथ रोबोटिक सर्जरी और कार्डियक केयर सेंट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि आधुनिक सुविधाओं से लैस यह अस्पताल क्षेत्र की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा।

पुलिस आयुक्त-उपायुक्त ...

कोलकाता पुलिस आयुक्त और उपायुक्त पर गलत तरीके से काम करने का आरोप लगाया गया था। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने जून महीने के आखिरी सप्ताह में केंद्रीय गृह मंत्री को अपनी रिपोर्ट भेजी थी। रिपोर्ट में कहा गया कि कोलकाता के पुलिस अधिकारियों द्वारा लोकसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों को राजभवन जाने से रोका जा रहा है। राज्यपाल ने पहले ही मुलाकात की अनुमति दे दी थी और इसके बाद भी पीड़ितों को राजभव जाने से रोका गया। एक अधिकारी का कहना है कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर दोनों पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि आदेश की एक प्रति राज्य सरकार को भी भेज दी गई है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने राजभवन में तैनात किए गए अन्य पुलिस अधिकारियों पर भी आरोप लगाए हैं। राज्यपाल का कहना है कि कुछ पुलिस अधिकारियों द्वारा अप्रैल-मई के महीने में एक महिला कर्मचारी के आरोपों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि इन पुलिस अधिकारियों की हरकतों की वजह से राज्यपाल के कार्यालय की गरिमा को नुकसान पहुंचा जो कि बहुत ही गलत है। इन पुलिस अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी की है।

देवघर में तीन मंजिला...

करके निकाला। बताया जाता है कि यह भवन सीताकांत झा का है। तीन मंजिला इस भवन में किराएदार रह रहे थे। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण भवन कमजोर होता जा रहा था। इस दौरान ग्राउंड फ्लोर पर कंस्ट्रक्शन का भी काम हो रहा था, जिस वजह से मकान और भी ज्यादा कमजोर हो गया था। शनिवार देर शाम हुई बारिश के बाद मकान रविवार सुबह धंस गया, जिस कारण से दूसरे और तीसरे मंजिल पर रह रहे लोग मकान के अंदर फंस गए। घटना की सूचना मिलने पर देवघर उपायुक्त विशाल सागर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जैसे ही घटना की जानकारी जिला प्रशासन को मिली वैसे ही एनडीआरएफ और मेडिकल की टीम मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुट गई। चार लोगों को रेस्क्यू कर निकाल लिया गया जबकि तीन लोगों की मौत हो गई। गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि देवघर में रविवार सुबह छह बजे के आसपास बमबम झा पथ पर तीन मंजिला मकान ढह गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तुरंत एनडीआरएफ की टीम भिजवाई। सुबह से मैं खुद भाजपा के वरिष्ठ नेताओं व स्थानीय लोगों के साथ घटनास्थल पर मौजूद हूं। स्थानीय लोगों और एनडीआरएफ ने एक महिला समेत चार को बचाया है। घायलों के लिए देवघर एम्स ने इलाज की सुविधा कर रखी है।

आंध्र प्रदेश में सीमेंट ...

जांच में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि विस्फोट फैक्ट्री में काम कर रहे मशीनरी में खराबी के कारण हुआ होगा। नंदीगामा के सहायक पुलिस आयुक्त बी रवि किरण ने बताया कि जब मजदूर दूसरी मंजिल पर थे, तो एनटीआर जिले के जग्गैयापेटा मंडल में बुडावाड़ा अल्ट्रा टेक सीमेंट फैक्ट्री में तीसरी मंजिल से सीमेंट निर्माण में इस्तेमाल होने वाली कुछ बेहद गर्म सामग्री उन पर गिर गई। किरण ने पी कहा कि कोई विस्फोट नहीं हुआ, लेकिन बड़ी मात्रा में सामग्री तीसरी मंजिल से दूसरी मंजिल पर गिर गई। इस गर्म सामग्री की वजह से कई लोग झुलस गए। एसीपी के मुताबिक, दुर्घटना सुबह करीब 11.30 बजे हुई और घायलों में स्थानीय और उत्तर भारतीय शामिल हैं। इस बीच, कुछ मजदूर सीमेंट फैक्ट्री के दफ्तर में घुस गए और खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए तथा तोड़फोड़ की, जिसके बाद पुलिस को मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लाना पड़ा। घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घायल श्रमिकों के बेहतर उपचार को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार, नायडू ने अधिकारियों को दुर्घटना के कारणों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कदम उठाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि कंपनी घायल श्रमिकों को मुआवजा दे। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से मदद का भी वादा किया।

नंदीघोष रथ पर निकले ...

वह सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हैं। आज देश-दुनिया के अनगिनत जगन्नाथ-प्रेमी रथ पर विराजमान तीनों भगवत्स्वरूपों के दर्शन हेतु उत्साह-पूर्वक प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस महापर्व के अवसर पर महाप्रभु श्री जगन्नाथ से वह सभी के सुख, शांति और समृद्धि हेतु प्रार्थना करती हैं। जय जगन्नाथ! इससे पहले पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने अपने शिष्यों के साथ भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों का दर्शन किया और पुरी के राजा ने *छेरा पहानरा* (रथ साफ करने) की रस्म पूरी की, जिसके बाद शाम करीब 5.20 बजे रथ खींचने की प्रक्रिया शुरू हुई। रथों में लकड़ी के घोड़े लगाए गए और सेवादार पायलटों ने भक्तों को रथों को सही दिशा में खींचने के लिए मार्गदर्शन किया। राष्ट्रपति, ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुख्य जगन्नाथ रथ को जोड़ने वाली रस्सियों को खींचकर प्रतीकात्मक रूप से इस यात्रा की शुरुआत की। विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने भी भाई-बहन के देवताओं के दर्शन किए। हजारों लोगों ने भगवान बलभद्र के लगभग 45 फीट ऊंचे लकड़ी के रथ को खींचा। रथ उत्सव के नाम से भी मशहूर यह यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र अपनी मौसी देवी गुंडिचा देवी के मंदिर तक जाते हैं। यह रथयात्रा आठ दिनों के बाद उनकी वापसी के साथ समाप्त होती है। इसे उल्टा रथ के नाम से जाना जाता है। यात्रा से पहले रथों को जगन्नाथ मंदिर के सिंह द्वार से उन्हें गुंडिचा मंदिर ले जाया जाएगा, जहां रथ एक सप्ताह तक रहेंगे। रथयात्रा के मद्देनजर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए हैं और विधिवत तरीके से पूजा-पाठ और अनुष्ठान का आयोजन किया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने रथयात्रा पर शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने लिखा पवित्र रथ यात्रा के शुभारंभ पर बधाई। हम महाप्रभु जगन्नाथ को नमन करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उनका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। दूसरी ओर, कोलकाता में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्कॉन द्वारा आयोजित रथयात्रा को खींचा। बारिश के बावजूद हजारों श्रद्धालु उत्सव में भाग लेने के लिए एकत्र हुए और वे इस्कॉन के भिक्षुओं के साथ नृत्य कर रहे थे और *जय जगन्नाथ* का नारा लगा रहे थे। रथ यात्रा की शुरुआत में रथ की रस्सियां खींचने से पहले ममता बनर्जी ने मोमबत्तियों से *आरती* की और इस्कॉन मंदिर के सामने रथ पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के देवताओं की पूजा की।

मंगल ग्रह पर इंसानों ...

गड़गड़ाहट से माहौल गूंज उठता है। बता दें, नासा मंगल ग्रह पर मानव अन्वेषण की तैयारी कर रहा है। इसी के लिए एक खास कमरा बनाया गया था। ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर में एक घर तैयार किया गया था। इसमें चार लोगों के रहने की व्यवस्था है। इस घर को मंगल ग्रह के हालात जैसा बनाया गया था। एंका सेलारियू, रॉस ब्रॉकवेल, नाथन जोन्स और टीम लीडर केली हेस्टन ने इस घर में करीब 378 दिन बिताए। इस दौरान इन लोगों ने सब्जियां उगाईं। वहीं मार्सवॉक भी किया। इस एक साल में सबसे ज्यादा इन लोगों के लिए कठिन था अपने परिवार से इतने दिन दूर रहना। यह एक तरह से ऐसा अनुभव था, जब महामारी के तरह लॉकडाउन लगा था। चारों लोग जब शनिवार को इस घर से बाहर निकले तो उनके चेहरे पर मुस्कान थी। उनके बाल थोड़े अधिक बिखरे हुए थे। मगर उनकी खुशी साफ देखी जा सकती थी। केली हेस्टन ने हंसते हुए कहा कि हेलो, आप लोगों से फिर हेलो करना वाकई शानदार है। डॉक्टर जोन्स ने कहा कि मैं आशा करता हूं कि आप सभी के सामने यहां खड़े होकर रोऊंगा नहीं। उन्होंने भीड़ में अपनी पत्नी को देखा और वैसे ही उनको रोना आ गया। क्रू हेल्थ एंड परफॉर्मेंस एक्सप्लोरेशन एनालॉग (सीएचएपीईए) का मार्स ड्यून अल्फा ह्यूस्टन एक 3डी प्रिंटेड 1,700 वर्ग फुट का कक्ष है। इसका उद्देश्य मंगल ग्रह की सतह पर उनके आवास का अनुकरण करना है। इसमें चार बेडरूम हैं। इसके अलावा जिम, किचन, रिसर्च सेंटर बनाया गया है। इस घर को एयरलॉक द्वारा अलग किया गया। यहां पर चारों ने मार्स वॉक की भी प्रैक्टिस की।

36 की उम्र तक ...

और 28 लड़के हैं। महिला के सबसे बड़ी संतान की उम्र 31 साल है और सबसे छोटे की उम्र 6 साल है। मरियम ने अपनी छठी डिलीवरी के बाद, और बच्चे न हो इसके लिए एक डॉक्टर से संपर्क किया। लेकिन डॉक्टर ने उसे बताया कि अगर वह बच्चे पैदा करना बंद करने की कोशिश करेगी तो वह जल्द ही मर जाएगी इसलिए डॉक्टर ने उसे तब तक बच्चे पैदा करने की सलाह दी जब तक उसके अंडाशयों की संख्या कम न हो जाए। उस वक्त मरियम की उम्र 23 साल थी और उसने तब तक 25 बच्चों को पैदा किया था। 2015 में, बबेरिय के पति ने 42 बच्चों का भरण-पोषण करने में असमर्थ होने के कारण परिवार को छोड़ दिया। लेकिन उससे पहले ही बबेरिये अपने जुड़वा बच्चों के साथ गर्भवती हो गई थी। बाद में अपने बच्चों को पालने के लिए उसने अपना घर बेच दिया। उनकी और उनके बच्चों की देखभाल उनकी दादी ने की थी, लेकिन जब उनकी दादी का निधन हो गया, तो उनके रिश्तेदारों ने उन्हें अपने बच्चों को रखने के लिए घर में रहने की अनुमति दे दी थी। मरियम ने सिर्फ 1 बच्चे को छोड़ अपने ज्यादातर बच्चों को घर पर ही जन्म दिया। मरियम ने 6 बार जुड़वां बच्चों को, 4 बार तिड़वां बच्चों को और 3 बार एक साथ 4-4 बच्चों को जन्म दिया। साल 2015 में महिला के पति ने उसे यह कहते हुए छोड़ दिया कि वह इतने बच्चों का पालन पोषण नहीं कर सकता। डॉक्टरों के मुताबिक, मरियम नबातनजी बबिरिये के अंडाशयों की संख्या समान्य महिलाओं के मुकाबले अधिक है। जिससे एक साथ उनके कई बच्चे होते हैं। साल 2019 में जब बेबीरिये 40 वर्ष की थीं, तब आगे गर्भधारण को रोकने के लिए उन्हें एक चिकित्सा प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। जिसके बाद उन्हें आगे का प्रेग्नेंसी से निजात मिली।

महुआ मोइत्रा के ...

एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा एक ट्वीट को दोबारा पोस्ट किया गया है, जो भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 79 के तहत अपराध है। इस शिकायत का संज्ञान लेते हुए और इसकी सामग्री की प्रारंभिक जांच के बाद स्पेशल सेल ने धारा 79 के तहत केस दर्ज जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष रेखा शर्मा उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में हुए हादसे के पीड़ितों से मिलने पहुंची थीं। इस संदर्भ में एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो पर मोइत्रा ने टिप्पणी की थी। इस वीडियो में रेखा शर्मा हाथरस में भगदड़ मचने के बाद घटनास्थल पर आती हुई दिख रही थीं। इस पर मोइत्रा ने अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में एनसीडब्ल्यू ने मोइत्रा की तरफ से अपने अध्यक्ष रेखा शर्मा के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी का संज्ञान लिया था और उनके खिलाफ तहरीर दी थी।

बिहार में एक और ...

तहत वर्ष 2019 में करीब 2 लाख रुपए की लागत से आरसीसी पुलिया का निर्माण किया गया था। पुलिया ध्वस्त होने से लोहरगांवा वार्ड संख्या चार के ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो गया है। पांच साल पूरे हुए बिना पुलिया का ध्वस्त होना गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करने के साथ सरकारी सिस्टम पर सवालिया निशान है। ग्रामीणों का कहना है कि जब इस पुलिया का निर्माण कराया गया तो तत्कालीन अधिकारियों ने इसकी गुणवत्ता की जांच क्यों नहीं की। पंचायत की मुखिया कृष्णा देवी के प्रतिनिधि शिव शंभू कुशवाहा ने बताया कि उक्त जर्जर पुलिया को निर्माण के लिए पंचायत की योजना में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि योजना के पांच वर्ष पूरा नहीं होने के कारण अभी तकनीकी परेशानी है। पकड़ीदयाल एसडीओ अविनाश कुमार बताया कि मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

राहुल से भी ताकतवर और घमंडी बाबर

औरंगजेब सनातन धर्म को नहीं हरा पाए : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के एक वीडियो को रिट्वीट करते हुए कहा कि बाबर और औरंगजेब राहुल गांधी से भी ताकतवर थे, लेकिन वह सनातन धर्म को नहीं हरा सके। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, 9 सीटों का इतना घमंड कि आपको लगता है कि आप सनातन धर्म को हरा देंगे? बाबर और औरंगजेब, जो आप से भी ताकतवर और घमंडी थे, वे भी सनातन धर्म को नहीं हरा पाए। ज्ञात हो कि राहुल गांधी वीडियो में रहते दिख रहे हैं कि अयोध्या का जो आंदोलन आडवाणी जी ने शुरू किया था, उसे इंडी गठबंधन ने अयोध्या में हरा दिया।

मंत्री अशोक सिंघल ने पार्टी कार्यकर्ताओं को दिए पुरस्कार

शोणितपुर (हिंस)। असम सरकार के शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव के दौरान किए गए वादे के अनुसार रविवार को पुरस्कार प्रदान किया। मंत्री सिंघल ने बाद में सोशल मीडिया के जरिए कहा कि हाल के लोकसभा चुनावों में कड़ी मेहनत करने वाले हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए मैंने घोषणा की थी कि मैं उन बूथों को एक लाख रुपए का पुरस्कार दूंगा, जहां शोणितपुर लोकसभा सीट के हमारे उम्मीदवार के पक्ष में ढेकियाजुली विधानसभा क्षेत्र में 90 फीसदी से अधिक वोट दिए जाएंगे। उस वादे को पूरा करते हुए, चुनाव में 5 बूथों पर भाजपा के पक्ष में 90 फीसदी से अधिक मतदान दर्ज किया गया। हमने फिर से दो अन्य बूथों वेस्ट मानसिरी और वेस्ट कोलफील्ड्स में एक-एक लाख रुपए का नकद इनाम दिया।

मिजोरम में जेल से म्यांमार के दो नागरिक फरार

एजल (हिंस)। मिजोरम में जेल से म्यांमार के दो नागरिक फरार हो गए। रविवार को मिली जानकारी के अनुसार दोनों म्यांमार नागरिक मिजोरम के सेरछिप जिला जेल में बंद थे। फरार कैदियों की पहचान म्यांमार के लीसेन निवासी लालचनहिमा (44) और लालनुनेमा (31) के रूप में हुई है। उन्हें बड़ी संख्या में एके-47 असॉल्ट राइफल रखने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के आरोप में बीते 10 जून से जेल में रखा गया था। कैदी उस समय फरार हुए जब वे वॉलीबॉल खेल रहे थे। खेलने के बाद जब वे खेल के सामान स्टोर रूम में जमा करा रहे थे, तभी दोनों जेल के मुख्य द्वार से भाग गए। जेल अधीक्षक ने उनके भागने के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष अप्रैल महीने में मिजोरम के जेल से इसी प्रकार पांच म्यांमार के नागरिक कैदी फरार हो गए थे।

मणिपुर में असम राइफल्स का बाढ़ राहत और बचाव के अभियान जारी

इंफाल (हिंस)। असम राइफल्स ने मणिपुर में बाढ़ पीड़ितों के राहत और बचाव कार्य में दिन-रात लगी हुई है। असम राइफल्स रविवार को सोशल मीडिया के जरिए बताया कि भारी बारिश और बाढ़ ने एक बार फिर इंफाल घाटी में सामान्य जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। असम राइफल्स के जवानों ने इंफाल, कोंगबा और इरिल नदियों में आई दरारों को भर दिया है। उपलब्ध नावों का उपयोग करते हुए 1200 से अधिक फंसे हुए लोगों को सफलतापूर्वक निकाला गया और चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे केंद्रीय मंत्री पबित्र मार्घेरिटा

डिब्रूगढ़ (हिंस)। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा रविवार को बाढ़ पीड़ितों का हाल जानने उनके बीच पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नाव पर सवार होकर कई राहत शिविरों में रह रहे लोगों का जायजा लिया। बाद में सोशल मीडिया के जरिए मंत्री मार्घेरिटा ने कहा कि मैं सुबह खोवांग के प्रसिद्ध रंगालाऊ बाजार पहुंचा। आसपास के गांव जलमग्न हैं। आज सुबह जनता ने कहा कि पानी फिर से बढ़ गया है। कैंपों में कुछ आवश्यक वस्तुओं और व्यवस्थाओं की कमी दिखी। स्थानीय जिला आयुक्त को फोन पर सूचित किया। उन्होंने तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया। खोवांग के ये लोग मेहनती, सफल किसान हैं। बाढ़ के बाद भी, ये फिर से आगे बढ़ने के लिए उठ खड़े होंगे।

मणिपुर दौरे से पहले सिलचर जाएंगे राहुल गांधी

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मणिपुर जाने से पहले सोमवार को असम के सिलचर में बाढ़ प्रभावितों से मिलने जाएंगे। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी का सोमवार को मणिपुर जाने का कार्यक्रम तय है। वह मणिपुर में राहत शिविरों का दौरा करेंगे और मणिपुर कांग्रेस के नेताओं से भी मिलेंगे। राहुल गांधी सोमवार को ही मोइरांग और चुराचांदपुर सहित मणिपुर में अन्य स्थानों पर भी जाएंगे। वह राहत शिविरों में शरण लिए लोगों से बातचीत करेंगे।

न्यू बंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर रविवार को डब्बों की गलत सूचना के कारण यात्रियों में अफरा-तफरी

बंगाईगांव। जुलाई को न्यू बंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर सुबह ट्रेन संख्या 12423 डाउन राजधानी एक्सप्रेस में चढ़ने के पहले यात्रियों में अफरा तफरी का माहौल देखा गया। उक्त दिन राजधानी एक्सप्रेस को स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर आना था तथा उसे प्लेटफार्म पर कोच इंडिकेशन बोर्ड के जरिए सभी डब्बों की स्थिति के बारे में दर्शाया गया था। इसके अनुसार डब्बा नंबर बी1, बी2, बी3 आदि पीछे की ओर गार्ड के पास दर्शाया गया था। इसी के अनुसार इन डब्बों में चढ़ने वाले यात्रिगण उक्त स्थान पर खड़े थे। लेकिन जब राजधानी एक्सप्रेस स्टेशन पर पहुंची तब ये डब्बे आगे की ओर यानी इंजन के बाद लगाए हुए थे। इसके कारण यात्रियों में आगे लगे डब्बों में चढ़ने के लिए भागा दौड़ी शुरू हो गई। पीछे से करीबन प्रंदह सोलह डब्बे पार करके आगे की और भाग कर चढ़ना बड़ा मुश्किल काम था। लेकिन कहावत है आदमी मरता ना क्या करता। अपने डब्बे में चढ़ने के लिए भाग दौड़ के दौरान दो एक यात्री के गिरने की भी खबर मिली है। इस घटना को लेकर यात्रा करने वाले श्री राजेंद्र कुमार बैद ने ट्रेन में चढ़ने के तुरंत बाद बंगाईगांव के श्री महेश कुमार अग्रवाल से संपर्क किया इस विषय में उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। महेश कुमार अग्रवाल ने तुरंत रेलवे अधिकारियों के ज्ञानार्थ इस विषय को लाते हुए शिकायत दर्ज कराई। उधर यात्रा करने वाले यात्रियों ने रेलवे विभाग से अनुरोध किया है कि ऐसी घटना को रोका जाए ताकि यात्रियों को किसी भी मुसीबत का सामना न करना पड़े। ज्ञात हो कि न्यू बंगाईगांव स्टेशन पर यात्रियों को कई बार रेलवे की गलती के कारण जैसे छत से पानी का टपकना, गलत नंबर के प्लेटफार्म का उद्घोष करना, प्लेटफार्म की दैनिय हालत, लिफ्ट का खराब होना आदि मुसीबतों का भी सामना करना पड़ता है।

रंगिया लॉ कॉलेज को पूर्ण निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

रंगिया (निसं)। रंगिया में एकमात्र वेंचर लॉ कॉलेज पहले से ही बंद है और सरकारी लॉ कॉलेज शुरू नहीं हुआ है, जिससे रंगिया में कानून की शिक्षा का एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है। रंगिया नागरिक मंच, रंगिया ने रंगिया के महकमाधिपति के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित कर राज्य के शिक्षा मंत्री से आग्रह किया हैं कि वे सरकारी विधि महाविद्यालय को यथाशीघ्र शिक्षण की अनुमति प्रदान करें, आवश्यक फर्नीचर उपलब्ध कराने के साथ जरूरी शिक्षक व शिक्षामित्र को नियुक्त कर पाठदान की व्यवस्था करवायें। उल्लेखनिय है कि सन 1963 में लोगों द्वारा स्थापित रंगिया कॉलेज मे सन 2018 में मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल के कार्यकाल मे तथा स्थानीय विधायक भवेश कलिता की तत्परता में स्नातकोत्तर स्तर तक उन्नत कर राज्य उच्च शिक्षा विभाग ने पत्र प्रेषित किया था। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने लगभग दस करोड़ रुपए की लागत से निर्मित स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विशाल भवन का निर्माण करने के बाद दिनांक 26 मार्च 2023 को स्थानीय विधायक भवेश कलिता की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया था। स्नातकोत्तर महाविद्यालय का उद्घाटन 26 मार्च 23 को जरूर हुआ था लेकिन आज 15 महिने बीतने के बाद भी स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती सहित आधारभूत संरचना विकास की व्यवस्था नहीं हो पाई है। मालुम हो कि अब तक कामरूप जिला के अलावा तामुलपूर, बाक्सा, दरंग जिला के छात्र छात्राएं उक्त शिक्षानुष्ठान मे दाखिला लेने के लिये आकर मायुस होकर लौट गए है। इसीलिए उक्त लॉ कॉलेज को विलंब पूर्णांग रूप प्रदान करने हेतु नागरिक मंच ने ज्ञापन प्रेषित किया है।

ड्रग्स समेत दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की पलटन बजार पुलिस ने ड्रग्स मामले में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल अरुप बर्मन (45, नूनमाटी) और संदीप बोरो (26, उल्लुबाड़ी) को थाना क्षेत्र के बिरुबारी से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास 24 प्लास्टिक के छोटे-छोटे सीसी में भरकर रख गए 35.47 ग्राम हेरोइन, एक बाइक (एएस-01डीपी-4655), नगद 5700 रुपए, एक मोबाइल फोन और कुछ ड्रग्स सेवन करने के लिए व्यवहार की जाने वाली सिरिंज बरामद किया गया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

होजाई : भू-माफियाओं के खिलाफ बड़ा खुलासा

होजाई (निसं)। होजाई में माटी के दलाल के विरुद्ध संवाद मेल। भूखतबोगी ने स्थानीय संवाददाताओं के सामने राखी अपनी आप बीती। जानकारी के अनुसार प्रदीप चौहान नाम के एक व्यक्ति के विरुद्ध संवाद मेल कर भूखतबोगी लाल बिहारी गुप्ता ने की न्याय की मांग। यह संवाद मेल नया बाजार स्थित लक्ष्मी विवाह भवन के सभागार में शनिवार को आयोजित की गई। गौरतलब है कि लाल बिहारी गुप्ता ने आरोप लगाया कि प्रदीप चौहान नामक व्यक्ति ने उनकी होजाई राजस्व चक्र क्षेत्र के रामपुर किस्मत एक बीघा तीन कठा दस लुसा माटी को जालसाजी से अपने नाम पंजीयन किया। लाल बिहारी का कहना है कि उसने प्रदीप चौहान को माटी की देखभाल हेतु पावर ऑफ अटॉर्नी दिया था। किंतु प्रदीप चौहान ने चालाकी से लाल बिहारी गुप्ता के भोलेपन का फायदा उठाते हुए जालसाजी कर अपने नाम पर माटी का पंजीयन करवाया। जैसे ही लाल बिहारी गुप्ता को इसका पता चला उसने पंजीयन रद्द करने के लिए होजाई राजस्व चक्र कार्यालय में आवेदन किया और होजाई पुलिस स्टेशन में एक शिकायत प्रदीप चौहान के खिलाफ दर्ज कराई। लाल बिहारी गुप्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदीप चौहान के खिलाफ माटी जालसाजी के कई मामले हैं। उल्लेखयोग्य है की प्रदीप चौहान ने पहले भी लाल बिहारी गुप्ता के भाई अशोक कुमार गुप्ता के साथ माटी को लेकर मारपीट की थी। इस संदर्भ में लाल बिहारी गुप्ता के भाई ने होजाई पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज करवाई है। लाल बिहारी गुप्ता ने जिला प्रशासन से मांग की है कि उन्हें न्याय मिले और इस मामले की पूरी निष्पक्ष जांच हो जिससे पूरी जालसाजी के बारे में खुलासा हो सके।

गुवाहाटी में भीषण सड़क हादसे, तीन की हालत गंभीर

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के रुक्मिणीगांव में रविवार तड़के हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को बताया कि नियंत्रण खोने के बाद एक चार पहिया मारुति 800 कार डिवाइडर से टकरा गई। गाड़ी में तीन युवक सवार थे। वाहन सुपर मार्केट से खानापाड़ा की ओर जा रहा था। हादसे में वाहन में सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। युवकों को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक नशे की हालत में थे।

वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन श्रीजी को नव-निर्मित वेदी में विराजमान किया गया

गुवाहाटी। स्थानीय मालीगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में चल रहे तीन दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ससंघ की आर्यिका परीक्षाश्री माताजी, आर्यिका परमाध्याश्री माताजी, एवं डॉ. देवेंद्र कीर्ति भटारक स्वामी (हुम्मचा) के मंगल सानिध्य में तथा प्रतिष्ठाचार्य ब्र. जिनेश जैन(राज.) के कुशल निर्देशन में परम पूज्य देवाधिदेव 1008 श्री शांतिनाथ भगवान को नव निर्मित वेदी में विराजमान कर पंचामृत से अभिषेक किया गया। तत्पश्चात आर्यिका परिक्षाश्री एवं आर्यिका परमाध्याश्री माताजी का मालीगांव जैन मंदिर से दिसपुर जैन मंदिर की और मंगल विहार कैलाश पांडया (रानी साड़ी) की देखरेख में हुआ। जहां इन आर्यिकाओ का 2024 का चातुर्मास होना निश्चित हुआ है।इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।संध्या हरीश एंड पार्टी (राज.) द्वारा भक्ति संगीत की स्वर लहरियो के साथ श्रीजी की आरती कि गई। इस अवसर पर कवि मयूर जैन (बालीवुड मिमिक्रि आटिस्ट) द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम काआयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफलता पूर्वक आयोजन कराने में श्री दिगंबर जैन मित्र संघ के सदस्यों ने अपना भरपूर सहयोग दिया। यह जानकारी मंदिर के प्रमुख जैन रूप बगड़ा एवं सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

असम पुलिस में व्यापक फेरबदल

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के गृह एवं राजनीतिक विभाग ने रविवार को पुलिस प्रशासन में व्यापक फेरबदल किया है। कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का स्थानांतरण कर उनके स्थान पर नई नियुक्ति की गई हैं। असम सरकार के आदेश के अनुसारर सत्यराज हजारिका, आईपीएस, जो पहले कोकराझाड़ में पुलिस महानिरीक्षक (बीटीएडी) के रूप में कार्यरत थे, अब तिनसुकिया में पुलिस महानिरीक्षक (एनईआर) की भूमिका निभाएंगे। वहीं, विवेक राज सिंह, आईपीएस को असम के पुलिस महानिरीक्षक (एमपीसी) के साथ ही पुलिस महानिरीक्षक (बीटीएडी) के रूप में अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनके अलावा, इंद्राणी बरुवा, आईपीएस को गुवाहाटी में पुलिस उप महानिरीक्षक (सीआईडी) से गुवाहाटी में पुलिस उप महानिरीक्षक (सीडब्ल्यूआर) के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

पंजाबाड़ी स्थित बटाघुली बोर नामघर के सिंहद्वार का उद्घाटन किया गया

गुवाहाटी। विभाजित हो चुके असमिया राष्ट्र को तब तक एकजुट करना तब तक संभव नहीं है जब तक कि वह महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के आदर्शों पर काम नहीं कर पाता, जो वृहद असमिया राष्ट्र के गठन के मुख्य शिल्पी और थौषष्ठी कला के मालिक हैं। यह बात प्रख्यात सताधिकर एवं असम सत्र महासभा की महासचिव कुसुम कुमार महंत ने आज पंजबारी बटाघुली बोर नामघर के सिंघद्वार का उद्घाटन करते हुए कही। नामघर और सतरा की परंपरा की व्याख्या करते हुए, महंत ने आगे कहा कि नामघर असमिया लोगों के लिए पूजा या प्रार्थना कक्ष का स्थान है। श्रीमंत शंकरदेव ने वैष्णव धर्म के प्रचार के लिए पहली बार नामघर की स्थापना की। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव द्वारा शुरू किए गए नव-वैष्णववाद के दो धार्मिक अनुष्ठानों में से एक नामघर और दूसरा है सत्र। शंकरदेव के धर्म के उपदेश का केंद्र नामघर था। श्रीमंत शंकरदेव ने ही सबसे पहले नागांव के बरदोआ (बोटाद्रव) में नामघर की स्थापना की थी। धीरे-धीरे पूरे असम में अपनी विचारधारा के साथ नामघर बन गया। महंत ने सभी से दोनों महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और माधव देव के आदर्शों को नई पीढ़ी के बीच फैलाने का आह्वान किया। सिंहद्वार के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए, वरिष्ठ पत्रकार भूपेन गोस्वामी ने पंजबारी क्षेत्र के लोगों द्वारा दो महापुरुषों की संस्कृति और विचारधारा की भूमिका की सराहना की और कहा कि विभिन्न प्रकार जाति, पंथ और विभिन्न प्रकार भाषा के बावजूद पंजबारी लोगों द्वारा दिखाए गए भाईचारे का उदाहरण पूरे राज्य में दुर्लभ है। बैठक में बोलते हुए नामघर की प्रबंध समिति के अध्यक्ष और प्रख्यात समाजसेवी विजय बल्लभ गोस्वामी, 1981 की स्थापना से इस बार नामघर के सेवक और समिति के महासचिव, देवेश्वर काकती, सिंहद्वार के दाता, कमल बोरा, प्रसिद्ध कलाकार मधुसूदन दास, रतुल दत्ता, चितरंजन हजारिका, परेश कलिता, तुशेश्वर चेतिया, जतिन अरंधरा, अतुल दत्त, पुलिन गोस्वामी, प्रशांत दोवारा, रंजीत कुमार बरुआ, प्रवीण भट्ट, भूपेन बोरा, पंकज बोरदोलोई सहित क्षेत्र के सभी लोगों ने सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आयतों की उरुली ध्वनि के साथ सामूहिक नाम के संदर्भ में भक्त प्राण गायन-बयान, डब्बा, कफ, शंख, घंटी के आकर्षक मांगलिक कार्यक्रम ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ग्वालपाड़ा के कानकटा में फसलों की बीज रोपन पर कार्यशाला आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। ग्वालपाड़ा जिला आपदा प्रबंधन के तहत राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवी ओवाई) के 2024-2025 के तहत, कृषि चक्र रंगजुली के सहयोग से, 2 जुलाई को फसलों की बीज पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। रंगजुली फार्मा प्रोड्यूसर कंपनी की पहल के तहत, ग्वालपाड़ा कानकटा के भाग 2 में चार (4) हेक्टेयर भूमि पर सामूहिक रूप से बीज पर काम किया जाता है। कार्यक्रम में असम गण परिषद पार्टी के ग्वालपाड़ा जिले की कृषक परिषद के अध्यक्ष समर उद्दीन अहमद, दुधनाई उपमंडल कृषि अधिकारी दीपक डेका, जिन्ना सोफिउर रहमान, बदीद जमाल, सिद्दीक अहमद, इमदाद हुसैन और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि जिला आपदा प्रबंधन के माध्यम से इस तरह की कार्रवाइयों से क्षेत्र के किसान लोगों को लाभ होगा। ग्वालपाड़ा जिला आपदा प्रबंधन के तहत और रंगजूली फार्मा प्रोड्यूसर कंपनी की पहल पर काठिया पारा कार्यक्रम को सभी ने सराहा है।

संपादकीय

कुदरत की तल्खी से सबक ले बनें नीतियां

बहुत ज्यादा समय नहीं बीता जब देश की राजधानी समेत कई बड़े-छोटे शहर जिस्म झुलसाती गर्मी से हाय-हाय कर रहे थे। राजधानी में ही जून का औसत तापमान 42 डिग्री से अधिक रहा। साथ ही पेयजल का संकट भी कई बस्तियों में नजर आया। पानी की आपूर्ति को लेकर दिल्ली व हरियाणा के बीच टकराव की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रहीं। कोर्ट सख्त लहजे में नीति-नियंताओं को मिल-जुलकर पेयजल संकट दूर करने को कहता रहा। फिर दिल्ली में बरसात की पहली बारिश होती है तो आठ दशक का रिकॉर्ड टूट जाता है। जल निकासी की व्यवस्था शर्म से पानी-पानी हो जाती है। सड़कों में तैरते वाहन और दरकती इमारतें व्यवस्था की पोल खोलती रही। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि कल तक जो दिल्ली प्यासी थी वह अचानक बारिश के पानी में क्यों डूबती नजर आई? जाहिर बात है कि मौसम की तीव्रता गर्मी, बरसात और सर्दी में साफ नजर आ रही है। लेकिन हमारी तरफ से इससे मुकाबले के लिये जमीनी प्रयास न के बराबर हैं। दरअसल हुआ यह है कि बारिश के पानी के निकासी के जो प्राकृतिक रास्ते थे, वे कुछ लोगों व बिल्डरों ने कब्जा लिए हैं। नदियों तक पानी ले जाने वाले रास्तों व तालाबों पर तमाम अवैध निर्माण हुए हैं। जो इलाके प्राकृतिक रूप से पानी का अवशोषण करते थे, उन्हें हमने अतिक्रमण से अवरुद्ध कर दिया है। दरअसल, वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और मीडिया के लोग वर्षों से लगातार ग्लोबल वार्मिंग के संकट के प्रति चेताते रहे हैं, लेकिन हमारे नीति-नियंता सिर्फ गाल बजाने का काम करते रहे हैं। लेकिन अब जब ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे खेत-खलिहानों में दस्तक देकर हमारी खाद्य श्रृंखला को संकट में डालना शुरू कर दिया है तो भी हमारे सत्ताधीश कुंभकरणी नींद में डूबे हैं। मौसम के जानकार बता रहे हैं कि हाल के दशकों में जून के जो सबसे ज्यादा चार गर्म माह रहे हैं, उनमें तीन पिछले तेरह वर्षों में रहे हैं। लोग महसूस कर रहे हैं हर साल का जून पहले जून से ज्यादा गर्म होता है। निस्संदेह, गर्मियों के मौसम में अखबारों में छपने वाले तापमान के बढ़ने के आंकड़े डराने वाले हैं। वहीं सर्दी का समय कम होता जा रहा है। बारिश है कि अचानक कम समय में इतनी बरसती है कि चारों तरफ जल-थल की स्थिति बन जाती है। सही मायनों में स्थितियां परेशान करने वाली हैं। वक्त की जरूरत है कि इस संकट से निबटने के लिए तात्कालिक व दूरगामी उपाय किए जाएं। हमें योजनाओं का निर्माण दीर्घकालिक लक्ष्यों के हिसाब से करना होगा। वहीं दूसरी ओर हर साल लू से मरने वाले लोगों के आंकड़े को कम करने के लिये फौरी उपाय अपनाने होंगे। हमें समाज में उन लोगों को पहले राहत देने का प्रयास करना होगा जो परिस्थितिवश दिन में खुले में काम करने के लिये मजबूर हैं। जैसे दिहाड़ी कामगार, फल-सब्जी आदि बेचने के लिये रेहड़ी-पटरी लगाने वाले लोग, रिक्शा चालक, यातायात व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मियों आदि को तात्कालिक राहत देने के प्रयास करने होंगे। उनके लिये छांव व पानी की व्यवस्था सार्वजनिक स्थलों पर हो। वहीं हमें ऑफिस तथा स्कूल-कॉलेजों के समय में बदलाव करना होगा। जो दिन में गर्मी का पीक समय होता है, उस समय काम से जुड़ी गतिविधियों को कुछ घंटों के लिये स्थगित किया जाए। ऐसे सार्वजनिक स्थल बनाये जाएं जहां लोग गर्मी में राहत पा सकें। फसलों के चक्र व किस्मों में बदलाव किया जाए, ताकि फसलें कम बारिश व अधिक तापमान में अधिक उत्पादन कर सकें। इसी तरह घरों की निर्माण शैली में बदलाव हो। छतों व दीवारों पर सफेद पेंट लगाया जाए। दीवारें मोटी बनें और वेंटीलेशन की पर्याप्त व्यवस्था हो। साथ ही खाली जगह व छतों पर हरियाली उगाने के प्रयास हों। जिससे लोगों को घरों में गर्मी कम लगे और हम ए.सी. आदि कृत्रिम उपायों से बच सकें। वर्षा जल संग्रहण व भू-जल स्तर सुधारने के लिये प्रयास हों। साथ ही फलदायक व छायादार वृक्ष लगाए जाएं। अपनी जीवन शैली को प्रकृति के अनुरूप ढाल कर हम इस संकट से बच सकते हैं।

राजधानी में ही जून का औसत तापमान 42 डिग्री से अधिक रहा। साथ ही पेयजल का संकट भी कई बस्तियों में नजर आया। पानी की आपूर्ति को लेकर दिल्ली व हरियाणा के बीच टकराव की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रहीं। कोर्ट सख्त लहजे में नीति-नियंताओं को मिल-जुलकर पेयजल संकट दूर करने को कहता रहा। फिर दिल्ली में बरसात की पहली बारिश होती है तो आठ दशक का रिकॉर्ड टूट जाता है। जल निकासी की व्यवस्था शर्म से पानी-पानी हो जाती है। सड़कों में तैरते वाहन और दरकती इमारतें व्यवस्था की पोल खोलती रही। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि कल तक जो दिल्ली प्यासी थी वह अचानक बारिश के पानी में क्यों डूबती नजर आई? जाहिर बात है कि मौसम की तीव्रता गर्मी, बरसात और सर्दी में साफ नजर आ रही है। लेकिन हमारी तरफ से इससे मुकाबले के लिये जमीनी प्रयास न के बराबर हैं। दरअसल हुआ यह है कि बारिश के पानी के निकासी के जो प्राकृतिक रास्ते थे, वे कुछ लोगों व बिल्डरों ने कब्जा लिए हैं।

यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा पर होने वाले खर्च को बढ़ा दिया था

कठिन आर्थिक दौर से ब्रिटेन को बाहर निकालने का श्रेय ऋषि सुनक को ही जायेगा

नीरज कुमार दुबे

बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद जब लिज ट्रस ने ब्रिटेन की कमान संभाली थी तो तुरंत ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बिगड़ी सेहत का अंदाजा हो गया था और उन्होंने महज 45 दिनों के भीतर ही प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया था। उस समय ऋषि सुनक ही अंतिम तारणहार दिखाई पड़ रहे थे। देखा जाये तो ऋषि सुनक ने उस समय प्रधानमंत्री के रूप में कांटों का ताज पहना था क्योंकि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था महामारी के बाद हिचकोले खा रही थी।

ब्रिटेन की जनता ने इस बार के आम चुनाव में सत्ता पलट दी है। महंगाई की सर्वाधिक मार झेलने वाली ब्रिटेन की जनता ने कंजरवेटिव पार्टी को चुनावों में कड़ा सबक सिखाया है जिसके चलते प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को माफी मांगते हुए यह कहना पड़ा है कि मैंने आपके गुस्से और निराशा को महसूस किया है और मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। वैसे चुनाव के नतीजे जो भी रहे हों लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि ऋषि सुनक ने अपने देश को कठिन आर्थिक परिस्थितियों के दौर से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद जब लिज ट्रस ने ब्रिटेन की कमान संभाली थी तो तुरंत ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बिगड़ी सेहत का अंदाजा हो गया था और उन्होंने महज 45 दिनों के भीतर ही प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया था। उस समय ऋषि सुनक ही अंतिम तारणहार दिखाई पड़ रहे थे। देखा जाये तो ऋषि सुनक ने उस समय प्रधानमंत्री के रूप में कांटों का ताज पहना था क्योंकि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था महामारी के बाद हिचकोले खा रही थी। महंगाई और ब्याज दरें बढ़ रही थीं। यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा पर होने वाले खर्च को बढ़ा दिया था। मुद्रा बाजार में स्टर्लिंग (ब्रिटेन में प्रचलित मुद्रा) कमजोर दिख रही थी। एक सफल बैंकर और वित्त मंत्री रहे सुनक ने प्रधानमंत्री बनते ही बजट घाटे को काबू में किया, सरकार के खर्चों में कटौती की और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लेकर आये लेकिन वैश्विक संघर्षों के चलते बाधित हुई सप्लाई चेन की वजह से बढ़ती महंगाई को वह नहीं रोक पाये। इसके

अलावा चूंकि उनकी पार्टी पिछले लगभग डेढ़ दशक से सत्ता में थी इसलिए ब्रिटेन में इस बार बदलाव की जोरदार लहर चल रही थी जोकि परिणामों में स्पष्ट नजर आ रही है। वैसे ब्रिटेन के आम चुनावों में बदलाव होने वाला है इसके संकेत पिछले साल हुए उपचुनावों में ही मिल गये थे। ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने के बाद से ऋषि सुनक की वैश्विक लोकप्रियता में तो इजाफा हुआ था लेकिन ब्रिटेन में पिछले साल तीन सीटों पर हुए उपचुनाव में उनकी कंजरवेटिव पार्टी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अब आम चुनावों में कंजरवेटिव पार्टी को अपने इतिहास की सबसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में सवाल खड़ा हुआ है कि क्या सुनक की नीतियां जनता को पसंद नहीं आ रही थीं? सवाल यह भी उठा है कि कंजरवेटिव पार्टी को गलत नीतियों की सजा चुनावों में मिली या पार्टी को एकजुट नहीं होने का खामियाजा भुगतना पड़ा है? सवाल यह भी है कि क्यों कंजरवेटिव पार्टी के नेता और सांसद ही अक्सर विवादों में रह कर सुनक की मुश्किलें बढ़ा रहे थे? इसके अलावा, 14 वर्षों से ब्रिटेन की सत्ता में रही कंजर्वेटिव पार्टी की हालत चुनावों से पहले ही खस्ता नजर आ रही थी क्योंकि कई लोगों ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था और पार्टी के कई नेता और सलाहकार नई नौकरियों की तलाश में निकल पड़े थे। अब कंजर्वेटिव पार्टी के जो लोग जीत कर आये हैं वह प्रभावी विपक्ष की भूमिका सही से निभा पाएंगे, इसके बारे में विश्लेषकों को संदेह है। माना जा रहा है कि लेबर पार्टी को कुछ वर्षों तक खुली छूट मिली रहेगी। जहां तक चुनाव परिणाम की बात है तो आपको बता दें कि ऋषि सुनक तो चुनाव जीत गये लेकिन उनके मंत्रिमंडल में शामिल पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और कई कैबिनेट मंत्री पराजित हो गए। सुनक उत्तरी इंग्लैंड में अपनी रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। लेकिन रक्षा मंत्री ग्रांट शेप्स, न्याय मंत्री एलेक्स चाक और मिशेल डोनेलन जैसे बड़े नेता चुनाव हार गये। ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी के बहुमत से काफी ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करते ही ऋषि सुनक ने हार स्वीकार कर ली और लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी। उन्होंने किंग चार्ल्स से मिलकर अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रधानमंत्री के रूप में देश को आखिरी बार संबोधित करते हुए कहा, ‘मैंने देश सेवा में अपना सब कुछ लगा दिया है, लेकिन आपने स्पष्ट संकेत दिया है कि यूनाइटेड किंगडम की सरकार को बदलना होगा और आपका निर्णय ही मायने रखता है। उन्होंने कहा कि मैंने आपके गुस्से, आपकी निराशा को समझा है और मैं इस नुकसान की जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने कहा कि सभी कंजर्वेटिव उम्मीदवारों ने अथक परिश्रम किया, लेकिन सफलता नहीं मिली, मुझे खेद है कि हम आपके प्रयासों के अनुरूप परिणाम नहीं दे सके। वैसे ऋषि सुनक के लिए राहत देने वाली बात यह है कि भारतीय पहचान वाले ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विरासत सुरक्षित रहेगी। भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने से पहले 44 वर्षीय ऋषि सुनक भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश वित्त मंत्री भी थे जिन्होंने घबराई हुई जनता को उसकी आर्थिक स्थिति के बारे में आश्वस्त करने के लिए कई असंभव कार्य किये थे।

दृष्टि कोण

निरंतर संघर्ष की अमिट गाथा

काल निरन्तर गतिमान रहता है और इसके साथ ही इतिहास का चक्र घूमता रहता है। लगभग पन्द्रह सौ साल पहले जम्बूद्वीप के अरब क्षेत्र में एक नए पंथ का उदय हुआ। यह पंथ दुनिया भर में अपना साम्राज्य तो स्थापित करना ही चाहता था, लेकिन उसके साथ-साथ विजित प्रदेशों के चिन्तन, दर्शन, विरासत को समाप्त कर इस्लाम पंथ के आधार पर उदय हो रही नव अरब संस्कृति को थोपना चाहता था। इसको वह 'जिहाद' कहता था। आसपास के अनेक देश अरबों के इस जिहाद के शिकार हो गए। कुछ भाग कर भारत में आ गए। मध्य एशिया भी इसकी जद में आ गया। उसके बाद अफगानिस्तान भी इसका शिकार हुआ। तुर्क, बलूचों और पश्तूनों ने मुकाबला तो डट कर किया, लेकिन नियति शायद अरबों के पक्ष में थी। तुर्कों और पश्तूनों को भी अरबों के आगे झुकते हुए मतान्तरित होना पड़ा। मध्य एशिया के कबीले चाहे मतान्तरित हो गए थे, लेकिन इस्लाम पंथ उनको एक नहीं कर सका। वे एक-दूसरे के राज्यों को हथियाने के लिए आपस में युद्ध करते रहते थे। तुर्कों ने तो इस्लाम के खलीफा कहे जाने वाले अरबों को भी अपने अधीन कर लिया। भारत भी अरबों के नव मजहबी जुनून से बच नहीं सका। अरबों ने 712 ईस्वी से ही भारत पर आक्रमण करने शुरू कर दिए थे। पहला आक्रमण सिन्ध क्षेत्र पर हुआ था। कालान्तर में इन्हीं मतान्तरित तुर्कों ने सप्त सिन्धु क्षेत्र से ही भारत पर हमले शुरू कर दिए। 1200 के आसपास दिल्ली पर इनका कब्जा हो गया। आक्रमण का रास्ता सप्त सिन्धु-पंजाब क्षेत्र से होकर ही गुजरता था। इसी क्षेत्र में महर्षि वाल्मीकि का अनुयायी वाल्मीकि समाज बड़ी संख्या में रहता था और अब भी है। इन हमलावरों का मुकाबला करने वालों में इस वाल्मीकि समाज की भी प्रमुख भूमिका थी। लेकिन विजय अन्ततः अरबों, तुर्कों और मुगलों की ही हुई। बहुत से समुदाय झुक गए, लेकिन वाल्मीकि समाज नहीं झुका। इसलिए उसे शासन के प्रकोप का शिकार तो होना ही था। शासन ने उनकी आजीविका के सारे रास्ते बन्द कर दिए। वे दर-बदर हो गए। स्टेनले राइस अपनी पुस्तक 'हिंदू कस्टम्स एंड देयर ऑरिजिन' में लिखते हैं कि, 'अछूत मानी जाने वाली जातियों में प्रायः वे जातियां भी हैं, जो विजेताओं से हारीं और अपमानित हुई तथा जिनसे विजेताओं ने अपने मनमाने काम करवाए।' जाहिर है वाल्मीकि समाज भी उसी में शामिल था। लेकिन महर्षि वाल्मीकि में उनकी आस्था अटल रही। इस भयंकर कालरात्रि में भी वे वाल्मीकि महाराज का रास्ता त्याग कर अरबों-तुर्कों के इस्लाम के रास्ते पर नहीं गए। हिन्दी के प्रख्यात उपन्यासकार अमृतलाल नागर ने वाल्मीकि समाज को लेकर प्रसिद्ध उपन्यास 'नाच्यौ बहुत गोपाल' लिखा था। इस उपन्यास के लिए वे लखनऊ में वाल्मीकि बस्तियों में, जिन्हें वहां मेहतर या भंगी भी कहा जाता है, बहुत घूमे थे। तब निष्कर्ष रूप में उन्होंने कहा, 'काम करते हुए क्रमशः मुझे अनुभव होने लगा कि भंगी कोई जाति नहीं है।' अमृतलाल नागर ने अपने अध्ययन में गाजीपुर के देवदत्त शर्मा चतुर्वेदी की पुस्तक 'पतित प्रभाकर अर्थात मेहतर जाति का इतिहास' की चर्चा की है। इसे 1931 में पंडित चिन्तामणि वाल्मीकि के पितामह वंशीराम राऊत मेहतर ने प्रकाशित करवाया था। इसमें भंगी, मेहतर, खरिया, चूहड इत्यादि तथाकथित जातियों के गोत्र दिए गए हैं, जो हिन्दुओं के अन्य समुदायों के नामों के ही हैं। विदेशी शासन ने वाल्मीकि समाज को प्रताड़ित तो किया ही, उन्हें शिक्षा से भी वंचित कर दिया। 'नाच्यौ बहुत गोपाल' का ही एक पात्र इतिहास के इस पन्ने को उघाड़ता हुआ कह रहा है, 'हमारे एक बुजुर्ग ने हमें बतलाया था कि हम लोग भी कोई सदा के मेहतर नहीं थे, क्षत्री थे। गोरी गजनी के बादशाह से लड़ाई में हार गए। वह हमें पकड़ कर ले गया। हमारी औरतें हमसे छीन लीं। उनका धरम बदल दिया। हमसे भी कहा कि अपना दीन-धरम छोडक़र हमारे मजहब में आ जाओ। हमने कहा कि हम अपना धरम हरगिज हरगिज नहीं छोड़ेंगे। बादशाह ने गुस्से होके कहा कि नहीं छोड़ोगे तो तुम्हें हमारा मल मूत्र उठाना पड़ेगा। हमने यह काम मंजूर कर लिया, लेकिन अपना धरम नहीं छोड़ा।' डा. भीमराव रामजी अंबेडकर ने भी कहा है कि जनजातियों की परस्पर लड़ाइयों में जो अपनी जनजाति से बिछुड़ गए, उन्हें किसी दूसरी जनजाति की बसाहत में रहने का आश्रय तो मिला, लेकिन रहना गांव के बाहर पड़ा। बाद में यही लोग गांववालों के लिए अछूत मान लिए गए। अंबेडकर इन्हें 'ब्रोकन मैन' कहते हैं। नागर भी इसी की व्याख्या करते प्रतीत होते हैं। वे लिखते हैं, 'बिखरे हुए कबीलों के कमजोर लोग भी दास-दासीवत समझे जाते थे, जिनका खानपान प्रचलित समाज के खानपान से अलग होता था। ऐसे लोगों को नैतिक और सामाजिक दृष्टि से बाद में अस्पृश्य माना जाने लगा और मुगलों-तुर्कों के समय में यह विजित-विजेता दम्भ-संघर्ष की पुरानी परम्परा में तेजी से बढ़ोतरी हुई। पहले शहरी घरों में अधिकांश संडासें ही बनं थीं। किलों में ऐसे शौचालय बनते थे जो पानी से ही स्वच्छ किए जाते थे, उन्हें कमाना नहीं पड़ता था। शहरों में कमाने वाले पाखाने गुलामों की बढ़ोतरी के अनुपात में बढ़े।

कुछ अलग

आना मानसून का समय पर...

इन दिनों राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर काफी चिंता है कि इस बार मानसून समय पर आ रहा है। गोया मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए और यदि आए भी तो सरकारी स्वीकृति से आए, वरना मानसून की कोई जरूरत ही नहीं है। पार्टी कार्यकर्ता से लेकर मंत्री-मुख्यमंत्री सब परेशान हैं कि मानसून समय पर क्यों आ रहा है। मानसून आ गया तो अकाल और सूखे का क्या होगा? मुख्यमंत्री मिले तो मैंने कहा-'लीजिए साब, इस बार मानसून समय पर आ रहा है!' मुख्यमंत्री बौखला गए-'यह क्या कह रहे हो। इस देश में कुछ भी समय पर नहीं हो रहा, फिर यह मानसून मरा समय पर क्यों आ रहा है। कुछ करो यार, मानसून को टालने के उपाय।' मैं बोला-'जनता मानसून लाने के लिए हरिकीर्तन कर रही है और आप उसे टालना चाहते हैं। मेरी समझ में नहीं आता, आप इतने परेशान क्यों हैं मानसून से। मानसून का समय है तो वह आएगा ही।' मुख्यमंत्री के चेहरे पर निराशा के बादल छा गए, आंखों में उदासी की घटाएं घुमड़ीं। वे बोले-'सच तो यह है कि केन्द्र सरकार को नब्बे करोड़ की सहायता के लिए कहा हुआ है। वर्षा आ गई तो भला यह राशि कैसे मिलेगी? राहत सामग्री का वितरण पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अनिवार्य है। जहां तक असंतुष्टों का सवाल है, सूखे व अकाल के बहाने वे भी मंत्री बने, इस सूखे-अकाल के सहारे चुप्पी साधे हुए हैं। मानसून आते ही सब सिर उठा लेंगे।' 'तब तो वाकई चिंता की बात है। मानसून आने से राजनीतिक अस्थिरता बढने वाली है तो राष्ट्रीय अशांति का खतरा है। हमें इस दिशा में वैज्ञानिकों का सहयोग लेना चाहिए।' मैंने कहा। मुख्यमंत्री बोले-'वैज्ञानिकों का कोई दोष नहीं है। वे तो अच्छा कॉपरेट कर रहे हैं। देख नहीं रहे पिछले तीन दशक में मौसम व पर्यावरण किस कदर बदल गए हैं। पर्याप्त वर्षा के स्थान पर बूंदा-बांदी हो रही है। फिर वर्षा वहां हो रही, जहां इसकी जरूरत नहीं है।' 'ऐसा नहीं हो सकता कि वर्षा जोरों से आए और बाढ़ आ जाए?' 'हां-फिर वर्षा आए तो इतनी जोरों से कि बाढ़ से जनजीवन त्रस्त हो जाए। बाढ़-राहत का कार्य भी ऐसा ही है, जिसमें सारा मंत्रिमंडल उनके अमचों-चमचों सहित व्यस्त रहता है।' मुख्यमंत्री ने कहा। मैं बोला-'सच तो यह है मुख्यमंत्री जी कि मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए।' 'लेकिन करें क्या?' तभी वहां मंत्री जी आ धमके और सिर लटकाकर मुख्यमंत्री जी से बोले-'आज का पेपर पढ़ा आपने?' 'हां-पढ़ा है। इस बार मानसून समय पर आ रहा है।' 'हमें क्या करना है?' 'कार्यकर्ताओं से कहो कि जल्दी बाढ़ राहत शुरू करवाएंगे। बाढ़ आए या नहीं, हम केवल सामान्य वर्षा को भी जल प्लावन में तब्दील कर देंगे।' 'लेकिन एक प्राब्लम है, सूखे-अकाल में जो थोड़े-बहुत काम हुए हैं, वे बह जाएंगे।' 'आप कमाल करते हैं। फिजूल की चिंता करते हैं। असली चिंता तो यह है कि राहत की कटौती हो जाएगी। चुनाव नजदीक हैं। बैंक बैलेंस नहीं बनाया तो कौन टिकट देगा और कौन वोट! तुम्हें पता होना चाहिए हमारे आलाकमानों ने स्विस बैंकों में करोड़ों के खाते खोले हैं और हम अभी लाखों भी नहीं कमा सके कि मानसून समय पर आ गया।' मैं बोला-'तो हो क्या गया। अगली बार विलंब से आ जाएगा मानसून, फिर कमा लेना।' मंत्री बोले-'कब मुख्यमंत्री बदल जाएं और पुनर्गठन में कब हमारा पत्ता साफ हो जाए, कह नहीं सकते। समय कम है और काम ज्यादा। ऐसे हालात में मानसून का समय पर आना मुनासिब नहीं है।'

देश दुनीया से

खिलाड़ियों को नौकरी नहीं तो वजीफा तो दो

करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा कर कोई भी कैम्पर 400 मीटर की व्यक्तिगत स्पर्धा में क्वालीफाई नहीं कर पाया है और दूसरी तरफ किसी सरकारी सहायता के बगैर मुश्किलों में किरण का यह प्रदर्शन सोचने पर मजबूर कर रहा है कि सरकारें प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं दे सकती हैं। हिमाचल प्रदेश के कुछ एथलीट हैं जो 2026 की एशियाई खेलों में देश के लिए खेल कर पदक दे सकते हैं। उनमें सावन, अंकेश और दिनेश सेना व सीमा भी राष्ट्रीय कैंप में रह कर राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दूसरी तरफ कुछ उभरते हुए जूनियर एथलीट हैं जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

ओलंपिक 2024 के लिए हुए अंतिम क्वालीफाई चैंपियनशिप में हरियाणा की किरण ने चार सौ मीटर की दौड़ को 50.92 सेकंडों में पूरा कर पेरिस का टिकट कटवा लिया है, मगर जो इंटरव्यू में उसने कहा, वो देश में खेलों के ठेकेदारों यानी साई व खेल संघों के लिए शर्मनाक है। एक तरफ करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा कर कोई भी कैम्पर 400 मीटर की व्यक्तिगत स्पर्धा में क्वालीफाई नहीं कर पाया है और दूसरी तरफ किसी सरकारी सहायता के बगैर मुश्किलों में किरण का यह प्रदर्शन सोचने पर मजबूर कर रहा है कि सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं दे सकती हैं। हिमाचल प्रदेश के कुछ एथलीट हैं जो 2026 की एशियाई खेलों में देश के लिए खेल कर पदक दे सकते हैं। उनमें सावन, अंकेश और दिनेश सेना व सीमा भी राष्ट्रीय कैंप में रह कर राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दूसरी तरफ कुछ उभरते हुए जूनियर एथलीट हैं जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। माता कामाख्या के आंचल में असम की राजधानी गोहाटी में आयोजित खेलो इंडिया अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स में राजकीय महाविद्यालय मंडी की धाविका कुसुम ठाकुर ने सौ मीटर की फर्राटा दौड़ में रजत व दो सौ मीटर में स्वर्ण पदक जीत कर हिमाचल का नाम रोशन किया है। हमीरपुर के सरकारी महाविद्यालय की धाविका प्रिय ठाकुर ने चार सौ मीटर की दौड़ में कांस्य पदक जीता है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की चार गुणा चार सौ मीटर दौड़ में भी लड़कियों ने कांस्य पदक जीता है। तेज गति की दौड़ों में हिमाचल के खिलाडियों का प्रदर्शन पहले कमजोर ही रहा है। यह अलग बात है कि पुष्पा ठाकुर ने जरूर इस मिथक को तोड़ कर भविष्य के एथलीटों को राह दिखाई है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमें एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल तक पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा गया है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं बहुत अधिक स्पीड इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को आसानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर

पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के बाद अभी तक कोई भी पुरुष या महिला हिमाचल प्रदेश के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय स्तर पदक जीत नहीं पाया है। भविष्य में उभरते हुए कुसुम, प्रिय व मनीषा आदि तेज गति के एथलीट हैं जिनको वजीफे की बहुत जरूरत है। इनके पास नौकरी नहीं है। सामान्य परिवारों से इनका संबंध है, जो इतना खर्च नहीं कर सकते हैं। लंबी दूरी की दौड़ों में हिमाचल का इतिहास अच्छा रहा है। सुमन रावत 1982 एशियाड में तीन हजार मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर अर्जुन अवार्डी है। स्वर्गीय कमलेश व अमन सैनी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

आप का नजरीया

प्राकृतिक संसाधनों का तार्किक उपयोग ही समाधान पर्यावरण संकट

प्रकृति के साथ छेड़छाड़ आज समूची दुनिया के लिए भयावह खतरे का सबब बन चुकी है। तापमान में वृद्धि, मौसम में बदलाव और जलवायु परिवर्तन इसके जीवंत प्रमाण हैं। इन प्रकोपों से दुनिया त्राहि-त्राहि कर रही है। इस सबके पीछे मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार हैं जिसने दुनिया को तबाही के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। दुनिया में जिस तेजी से पेड़ों की तादाद कम होती जा रही है, हकीकत में उससे पर्यावरण तो प्रभावित हो ही रहा है, पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि और मानवीय जीवन ही नहीं, बल्कि भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता पर भी भीषण खतरा पैदा हो गया है। विश्व बैंक ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से संबंधित रिपोर्ट में कहा है कि पर्यावरण प्रदूषण के चलते हो रही तापमान में बढ़ोतरी के लिए दैनंदिन घटती जैव विविधता और मानवीय गतिविधियां सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। जैव विविधता घटने की वजह से धरती लगातार गर्म होती जा रही है जिससे अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड के साथ-साथ दुनिया में तीसरे सबसे अधिक बर्फ के भंडार माने जाने वाले कनाडा के ग्लेशियर संकट में हैं। इनके पिघलने से इस सदी के अंत तक दुनिया भर के समुद्र के जलस्तर में बढ़ोतरी हो जायेगी जिससे दुनिया के समुद्र तटीय बड़े शहरों के डूबने का खतरा बढ़ जायेगा। गौरतलब है कि प्रकृति मनुष्य की भोजन, पानी, साफ हवा, औषधि सहित जीवन की कई मूलभूत जरूरतों की पूर्ति करती है। लेकिन हमने भौतिक सुखों की चाह में प्रकृति के साथ छेड़छाड़ की जिसके कारण पर्यावरण तो बिगड़ा ही, जंगल, जीव और मनुष्य के बीच की दूरियां भी कम होती चली गयीं। दुनिया के वैज्ञानिक बार-बार कह रहे हैं कि इंसान जैव विविधता के खात्मे पर आमादा है। जबकि जैव विविधता का संरक्षण हमें बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समृद्ध जैव विविधता हमारे अस्तित्व का आधार है। यदि वनों की कटाई पर अंकुश नहीं लगा तो प्रकृति की लय बिगड़ जायेगी और उस स्थिति में वैश्विक स्तर पर तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी को रोक पाना बहुत मुश्किल हो जायेगा। ऐसी स्थिति में सूखा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम से आर्थिक हालात और भी प्रभावित होंगे जिसकी भरपायी आसान नहीं होगी। अमेरिका की ए एंड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ के एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि पेड़-पौधों की मौजूदगी लोगों को मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। अध्ययन में कहा गया है कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में अवसाद की आशंका बहुत कम पायी गयी है। जैव विविधता न सिर्फ हमारे प्राकृतिक वातावरण के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि ऐसे वातावरण में रहने वाले लोगों के मानसिक कल्याण के लिए भी उतनी ही अहम है। बीते दो दशकों में समूची दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर यानी 193 मिलियन एकड़ पहाड़ी जंगल नष्ट हो गये हैं। जबकि पहाड़ दुनिया के 85 फीसदी से ज्यादा पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों के आश्रय स्थल हैं।

आगामी निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी

जयपुर (हिंस)। आम आदमी पार्टी ने राजस्थान में आगामी विधानसभा उपचुनाव और निकाय चुनाव को लेकर राजस्थान में सक्रियता बढ़ा दी है! प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक और राजस्थान प्रभारी विनय मिश्रा के साथ बैठक कर राजस्थान में संगठन विस्तार के लिए चर्चा की थी। उसके बाद से राजस्थान में जिलेवार बैठकों का दौर शुरू कर दिया हैं। जयपुर में नवीन पालीवाल ने जयपुर जिला इकाई के साथ बैठक की और आगामी निकाय चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने बताया कि राजस्थान की जनता को मजबूत विपक्ष देने के लिए आम आदमी पार्टी प्रतिबद्ध हैं। आगामी निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी मजबूती से चुनाव लडेगी और जनता को मजबूत विकल्प देगी। इधर जयपुर लोकसभा अध्यक्ष अर्चित गोयल ने बताया की भाजपा सरकार से जनता का छह महीने में मोह भंग हुआ। जनता अब बदलाव चाहती है।

विदेशी महिला से पैदा बेटा देश का भला नहीं कर सकता : दिलावर

झुंझुनू (हिंस)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने नेता विपक्ष राहुल गांधी पर तीखी टिप्पणी की है। कहा कि राहुल गांधी ने देश के नागरिकों को हिंसक और झूठा कहा। देश का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता। उन्हें देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होने कहा विदेशी महिला से पैदा बेटा देश का भला नहीं कर सकता। मंत्री मदन दिलावर रविवार को झुंझुनू जिले के दौरे पर थे। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए दिलावर ने राहुल गांधी के बयान, कोचिंग छात्रों के सुसाइड और किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे को लेकर बात की। उन्होने कहा कि दुख की बात है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता ने पूरे देश के लोगों को हिंसक और झूठा कहा। इससे बड़ा अपमान हिंदुस्तान और हिंदुओं का नहीं हो सकता। पता नहीं कांग्रेस किसके इशारे पर चल रही है। इन्हें कौन प्रेरणा दे रहा है। उन्होने कहा चाणक्य ने कहा था कि विदेशी महिला के पेट से पैदा होने वाला व्यक्ति या बेटा देश का भला नहीं कर सकता। वह देश के खिलाफ ही कार्रवाई करेगा। चाणक्य की

बात सच साबित हो रही है। क्योंकि राहुल गांधी विदेशी महिला के पुत्र हैं। इसलिए लगातार देश के खिलाफ बोलते रहते हैं। पहले भी उन्होंने कहा था कि हिंदू मंदिर में लड़कियां छेड़ने जाते हैं। यह हिंदू बहनों और भाइयों के लिए अपमानजनक टिप्पणी थी। अब उन्होंने कहा कि हिंदू हिंसक और झूठे हैं। यह कहकर उन्होंने हिंदू समाज, साधु-संतों, हमारे पूर्वजों, आगे की पीढ़ी और हमारा घोर अपमान किया है। किसी भी कीमत पर देश की जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। कोचिंग संस्थान में छात्रों के सुसाइड केस पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि सुसाइड के लिए सिर्फ कोचिंग संस्थान जिम्मेदार नहीं हैं। छात्र की संगत और माता-पिता भी जिम्मेदार हैं। माता-पिता बच्चों से उनकी क्षमता से अधिक अपेक्षा करते हैं। बच्चे की क्षमता के हिसाब से उन्हें सब्जेक्ट सिलेक्ट करवाने चाहिएं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाना ही एकमात्र रास्ता नहीं है। आर्ट विषय पढ़कर भी कामयाबी हासिल कर सकते हैं। मंत्री दिलावर ने किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे पर कहा कि मंत्री कौन बनेगा ये फैसला आलाकमान करेगा। मुख्यमंत्री इसकी जानकारी दे देंगे। शिक्षकों के तबादलों को लेकर शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षकों के तबादले जब होंगे तो जानकारी दे दी जाएगी। विधानसभा चलती है तो तबादले नहीं होते। भर्ती में प्रावधान होता है कि टीचर का जिले के बाहर ट्रांसफर नहीं होता। फिर भी टीचर्स की पीड़ा समझते हुए मंत्रिमंडल विचार कर रहा है। तबादला नीति जब लागू करेंगे तो जानकारी दे देंगे। डेपुटेशन पर एक जनवरी से पहले से जो टीचर्स जमे हुए हैं उनकी लिस्ट बनाकर डेपुटेशन रद्द करेंगे।

देश में नए कानून आमजन के लिए सुविधाजनक साबित होंगे : केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम

बीकानेर (हिंस)। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि कानून आमजन के लिए सुविधाजन साबित होंगे। अब एफआईआर दर्ज कराना भी आसान हो जाएगा। कोई भी अपने घर बैठकर भी एफआईआर दर्ज करा सकेगा। जीरो एफआईआर में जब पहले आदमी पिलर टूट पिलर दौड़ता रहता था। ऐसी समस्याएं सामने आई तो इसका हल जीरो एफआईआर ही था। अब कोई भी आदमी घर से ही एफआईआर दर्ज करा सकेगा, जो सीधे ई-पोर्टल के माध्यम से संबंधित थानों में चली जाएगी। थाना मामले की जांच करना शुरू कर देगा। उन्होंने कहा कि कानून बदलने के लिए लगातार मांग उठ रही थी। सभी के सुझावों के आधार पर नए कानून बनाए गए हैं। केंद्रीय मंत्री मेघवाल रविवार को बीकानेर में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नये कानून आमजन के लिए सुविधाजनक है। उन्होंने कहा कि नए कानून बनाने के लिए वर्ष 2019 से काम शुरू किया था। इसके लिए

जजों, वकीलों, लॉ कॉलेज, सांसद और आमजन से भी राय मांगी गई है। इसके बाद इसमें तीन-चार संशोधन किए गए हैं, जो देश काल परिस्थिति के अनुरुप है। इससे पूर्व पांच शहरों में वर्कशॉप भी की। इसमें दिल्ली, चैन्नई, मुंबई, गुवाहाटी और कोलकाता में वर्कशॉप भी हुई। आने वाले केन्द्रीय बजट को लेकर केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा है कि इसके लिए 22 जुलाई को बजट सत्र शुरू होगा और 23 जुलाई को बजट पेश किया जाएगा। यह विकसित भारत की परिकल्पना संकल्पना पर आधारित बजट होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बीकानेर भारत का सोलर हब बनेगा। सिरेमिक हब भी बनेगा। चौथी बार लोकसभा सांसद बनने और दूसरी बार कानून मंत्री बने अर्जुनराम मेघवाल के रविवार सुबह बीकानेर पहुंचने पर रेलवे स्टेशन और उनके आवास पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने गर्मजोशी के साथ अभिनंदन किया। आज सुबह से ही व्यास कॉलोनी स्थित मेघवाल के आवास पर समर्थकों के आने का सिलसिला जारी रहा। लोग गुलदस्ता भेंट कर बधाइयां दे रहे थे।

नेपाल के वीरगंज में निकली गहवा माई की भव्य रथ यात्रा

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले से सटे नेपाल के बीरगंज शहर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ गहवा माई मंदिर से रविवार को भव्य रथयात्रा निकाली गई। रथ यात्रा में नेपाल के साथ-साथ भारत के कई जिलों के हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। रथ यात्रा रक्सौल से सटे बीरगंज के गहवा माई से निकाली गई। प्राचीन मंदिर के नए भवन के निर्माण के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर इस रथ यात्रा का आयोजन किया गया। भगवान जगन्नाथ पुरी मंदिर के तर्ज पर पिछले साल से रथ यात्रा निकाली जाती है। जिसमे भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र सहित दूर दूर से लोग इस भव्य रथ यात्रा में शामिल होते है। गहवा माई मंदिर ट्रस्ट के लोगों ने बताया कि पुरी के भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा से प्रेरित हो कर उसी तर्ज पर पिछले साल से रथ यात्रा निकाली जा रही है। जिसमे हजारों लोग भाग ले रहे है। इस रथ यात्रा में भाग लेने के लिए रक्सौल से भी हजारों के संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। शीसम व सखुआ की लकड़ी से बने इस रथ को बिल्कुल पूरी के जगन्नाथ मंदिर रथ जैसा इसका आकार दिया गया है। इस रथ को श्रद्धालुओं के द्वारा ही खिंच कर पूरे नगर का भ्रमण कराया गया। रथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर बड़े पैमाने पर नेपाल पुलिस व आर्म्ड फोर्स की तैनाती की गई थी। जो रथ यात्रा मार्ग के सभी चौक चौराहे की निगरानी कर रहे थे। वही जगह जगह रथ यात्रा पर पुष्प वर्षा की जा रही थी। इसके अलावा यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए चौक चौराहे पर शीतल पेय जल का प्रबंध किया गया था। एक अनुमान के अनुसार रथ यात्रा में भारत और नेपाल के करीब एक लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

महाकुंभ ऐतिहासिक एवं दिव्य भव्य होगा : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज (हिंस)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महाकुंभ 2025 ऐतिहासिक दिव्य और भव्य होगा। उन्होंने यह बातें रविवार को जनपद के उमरपुर नीवा स्थित श्री नर्मदेश्वर शिव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा एवं मूर्ति स्थापना अनुष्ठान में सम्मिलित होने के दौरान कही। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महाकुंभ की दिव्यता, भव्यता ऐतिहासिक होगी और लगभग 50 करोड़ लोगों के आने की सम्भावना है। महाकुंभ से संबंधित कार्यों पर निगाह रखी जा रही है और संबंधित योजनाओं को समय से पूरा करने का निर्देश भी अधिकारियों को दिया गया है। अनुष्ठान में वैदिक विधि-विधान से श्री नर्मेदश्वर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की गई। अनुष्ठान के बाद सर्किट हाउस पहुंचे डिप्टी सीएम ने वहां जनता की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्या निस्तारण

का निर्देश दिया। इस बीच चायल विधायक पूजा पाल के भाजपा में शामिल होने एवं हाथरस कांड पर मीडिया द्वारा सवाल पूछे जाने पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि धार्मिक आयोजन पर राजनीतिक सवाल उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ का पूजन हवन-यज्ञ अनुष्ठान कर श्रद्धालुओं, स्थानीय जनों व प्रदेश वासियों के अच्छे स्वास्थ्य एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। वे लगभग 20 वर्ष बाद नीवा गांव आए हैं। भाजपा के मीडिया प्रभारी विवेक मिश्र ने बताया कि इसके पूर्व बमरौली एयरपोर्ट पर फूलपुर भाजपा सांसद प्रवीण पटेल, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, महापौर गणेश केसरवानी, अवधेश चंद्र गुप्ता, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, जिलाध्यक्ष यमुनापार विनोद प्रजापति, जिलाध्यक्ष गंगापार श्रीमती कविता पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, एमएलसी निर्मला पासवान, रवि केसरवानी, अविनाश दुबे, मुरारी लाल अग्रवाल, नवाब खान, राजेश गोंड, आनंद दुबे, शिवा त्रिपाठी, संजय श्रीवास्तव, विजय गुप्ता, मनीष गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा के शहरी इलाकों में पद यात्रा निकालेंगी कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सिरसा से लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश के शहरी इलाकों में पदयात्रा निकालने का ऐलान किया है। सैलजा के इस ऐलान के बाद हरियाणा में कांग्रेस के बीच चल रही अंदरूनी लड़ाई तेज होगी। सैलजा अगर यात्रा निकालने में सफल हो जाती हैं तो यह नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुट के लिए बड़ी चुनौती होगी। रविवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में कुमारी सैलजा ने बताया कि यात्रा जुलाई महीने के अंतिम सप्ताह में शुरू होगी। इसके जरिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व विपक्ष के नेता राहुल गांधी का संदेश हर शहरी मतदाता तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही भाजपा के 10 साल के कुशासन के बारे लोगों को विस्तार से बताया जाएगा। पद यात्रा का मुख्य लक्ष्य कांग्रेस को शहरी विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के मुकाबले मजबूत करते हुए निर्णायक बढ़त दिलाना है।

भाजपा के लिए कोई चुनौती नहीं है कांग्रेस : डॉ. सतीश पूनिया

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा है कि राज्य में बिखरी हुई कांग्रेस हरियाणा में भाजपा के लिए कोई चुनौती नहीं है। हरियाणा का वर्षों का इतिहास एंटी कांग्रेस रहा है। वैचारिक दृष्टि से हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को बहुत अरसे से खारिज किया हुआ है और जनता आज भी उस पर कायम है। पूनिया ने दावा करते हुए कहा कि हरियाणा में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी ने मुझे 22 दिन पहले हरियाणा की जिम्मेदारी दी थी, उम्मीदवारों का चयन हो चुका था। इतने कम समय में मैने अपनी क्षमता के हिसाब से पार्टी को विजयी बनाने के लिए जो करना था, वह करके दिखाया। पूनिया ने कहा जब उन्होंने लोकसभा चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी संभाली तब हरियाणा में विपक्ष द्वारा ऐसा माहौल तैयार किया गया था कि भाजपा की कोई सीट नहीं आएगी या फिर दो सीटों पर सिमट जाएगी। पूनिया ने कहा कि हरियाणा की जनता ने प्रतिकूलता और नकारात्मक नेरेटिव के होते हुए भी भाजपा को पांच सीटें दी। लोकसभा चुनाव में विपक्ष द्वारा गढ़ी गई नकारात्मक चुनौती के मध्य पांच सीटें जीतने का श्रेय पूनिया ने हरियाणा की जनता के साथ-साथ कार्यकर्ताओं और नेताओं की एकजुटता को दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में पिछले 10 वर्षों में देश में जो बदलाव हुए हैं उसका असर हरियाणा में भी देखने को मिला है। नीतिगत तौर पर जो नीतियां लागू हुई उसका धरातल पर लाभ हरियाणा को मिला है। केंद्र की योजनाओं में हरियाणा की रैंकिंग बेहतर रही है। पूनिया ने कहा कि हरियाणा में भ्रष्टाचार की चर्चा सड़कों पर होती थी, लेकिन 2014 के बाद भाजपा सरकार ने हरियाणा से भ्रष्टाचार के कलंक को मिटाया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का जनमानस विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ भाजपा के साथ रहेगा। लोकसभा के परिणामों के बाद से हमने कुछ चीजें दुरूस्त की हैं और कुछ भविष्य में करने वाले हैं। हरियाणा में कार्यकर्ताओं का एक अच्छा संगठन है, हरियाणा के नेता एकजुट हैं, उसी कारण विधानसभा चुनाव में भाजपा अच्छा प्रदर्शन करते हुए बहुमत की सरकार बनाएगी। पूनिया ने कहा कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव का मिजाज लोकसभा चुनाव से अलग होता है।

हनीट्रैप गिरोह का भंडाफोड़ तीन महिलाएं और एक गिरफ्तार

यमुनानगर (हिंस)। शहर थाना पुलिस ने हनीट्रैप में फंसाकर लोगों से वसूली करने के एक गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन महिलाओं और एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है। रविवार को शहर यमुनानगर थाना प्रभारी जगदीश चंद ने बताया कि आरोपित उत्तर प्रदेश के पठेड निवासी विजय कुमार, सरदेहड़ी निवासी सोनिया त्यागी, सुघ माजरी निवासी निर्मला व आजादनगर कालोनी निवासी आरती को गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपियों ने एक युवक को हनीट्रैप में फंसाया और उसकी वीडियो बनाकर 90 हजार रुपएअपने खाते में ट्रांसफर कराए। उसकी शिकायत के बाद ही इस मामले का खुलासा हुआ। सदर जगाधरी थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवक किसी काम से शुक्रवार को एक्टिवा से छछरौली गया था। जब वहां से लौट रहा था, तभी मानकपुर के पास आरती व निर्मला लिफ्ट लेकर उसके एक्टिवा पर बैठ गईं। बाद में समय बिताने के लिए युवतियां उसे अपने साथ आजादनगर कालोनी में एक मकान में लेकर गईं। इसके बाद षडयंत्र के तहत आरती का पति विजय कुमार वहां पर पहुंच गए और उन्होंने युवक के साथ मारपीट की और उसकी नग्न अवस्था में वीडियो बना ली। युवक का आरोप है उसकी जेब से पर्स निकाल लिया और दो लाख रुपएमांगे। रुपएन देने उसकी वीडियो वायरल करने की धमकी दी। घबराकर युवक ने अपने मोबाइल एप के माध्यम से 90 हजार रुपए आरोपियों के खाते में ट्रांसफर कर दिया।

मुस्लिम-यादव के घटते समर्थन से बौखलाया राजद : संजय ठाकुर

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय कुमार ठाकुर ने राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगतानंद सिंह के उस बयान की कड़ी भर्त्सना की है, जिसमें उन्होंने जन सुराज को भाजपा की बी टीम बताया है। यह उनकी बौखलाहट है और विकृत मानसिकता का द्योतक भी। जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता ठाकुर ने कहा है कि राजद में मुस्लिम और यादव की लगातार उपेक्षा से उनका मोहभंग होता जा रहा है, जिससे प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह बौखला गए है और अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। उन्होने कहा है कि जन सुराज के संस्थापक और पदयात्रा अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर की बढ़ती ताकत उनका चुनावी रणनीतिक दक्षता और उन्हें बिहार के सभी वर्गों का

मिल रहा जन समर्थन से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव के होश उड़ने लगे हैं। बिहार की जनता उनके पंद्रह वर्षों के आतंक राज से परिचित हैं और काठ की हांडी दुबारा नहीं चढ़ने वाली है। मुस्लिम समाज अब यह समझ गये है कि उन्हें परिवारवादी राजद में न तो उचित सम्मान मिलने वाला है, न ही उनकी सरकार में कभी भागीदारी मिली और ना ही उनके समाज के लोगों को शिक्षित बनाया गया। राजद सुप्रीमो केवल अपने परिवार के लोगों को मजबूत किया और मुसलमान भाइयों को उसके अनुपात में टिकट ही नहीं दिया। यही कारण है कि आज बिहार विधानसभा में मुस्लिम विधायकों की संख्या पहले की तुलना में काफी कम हो गई है। राजद के परिवारवादी रवैए और अपनी लगातार उपेक्षा से परेशान बड़ी संख्या में यादव और मुस्लिम समुदाय के लोग जनसुराज जुड़ रहे है, जिससे राजद की जमीन खिसकती नजर आ रही है। उल्लेखनीय है, कि राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने एक पत्र जारी कर प्रशांत किशोर और जन सुराज को भाजपा की बी टीम बताया है ताकि राजद के कार्यकर्ता समाज में भ्रम और अफवाह फैला सके। श्री ठाकुर ने कहा है कि जन सुराज महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित है तथा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान का संपोषक है। जन सुराज जन नायक कर्पूरी ठाकुर, डाक्टर राम मनोहर लोहिया, महात्मा ज्योतिराव फुले और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के समाजवाद का पुरोधा है। ऐसे में राजद का आरोप बेबुनियाद और क्षुद्र मानसिकता का परिचायक है।

जिला व बूथ स्तर पर गठित होगी महिला कार्यकारिणी : वंदना

हिसार (हिंस)। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय पर्यवेक्षक वंदना बेन ने कहा है कि महिलाओं का सशक्तिकरण एवं उनका उत्थान ही कांग्रेस का प्रमुख लक्ष्य है। इसकी प्राप्ति के लिए कांग्रेस हमेशा से ही प्रयासरत है। इसी लक्ष्य के साथ कांग्रेस पार्टी शीघ्र ही बूथ स्तर पर कार्यकारिणी का गठन करने जा रही है। वंदना बेन रविवार को कांग्रेस भवन में महिला कांग्रेस जिला कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने की दिशा में ही यह जिला स्तर पर ब्लॉक पदाधिकारियों की बैठक ली गई है।

दलितों को साधने की रणनीति पर मंथन में जुटी भाजपा

लखनऊ (हिंस)। लोकसभा चुनाव परिणामों ने भारतीय जनता पार्टी को यूपी में अपनी रणनीति पर पुनर्विचार कर नये सिरे से काम करने को मजबूर कर दिया है। विगत एक दशक में उत्तर प्रदेश की राजनीति पर नजर डालें तो बसपा के बाद दलितों की पंसद भारतीय जनता पार्टी बनी थी। परिणाम रहा कि 2014 का लोकसभा चुनाव, 2017 का विधान सभा चुनाव, फिर 2019 का लोकसभा चुनाव रहा हो या फिर 2022 का विधानसभा चुनाव, सभी चुनावों में भाजपा को विजय मिली। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में दलित वोट भाजपा को न मिलकर समाजवादी पार्टी की तरफ खिसक गया। इससे उत्तर प्रदेश में भाजपा महज 33 लोकसभा सीट ही जीत सकी। वहीं सपा ने अकेले 37 सीट जीतने में कामयाब रही। उत्तर प्रदेश में भाजपा के पीछे होने की वजह से केंद्र में भाजपा बहुमत से थोड़ा पीछे रह गई। देश में अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक नुकसान भाजपा को उत्तर प्रदेश में ही उठाना पड़ा, जहां से भाजपा को सर्वाधिक उम्मीदें थीं। उत्तर प्रदेश में हार के कारणों की पड़ताल के लिए भाजपा ने कमेटियों का गठन किया था। कमेटियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट भी प्रदेश नेतृत्व को सौंप दी है। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष दो दिन से लखनऊ में हैं। शनिवार को उन्होंने भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों और भाजपा कोरग्रुप के साथ अलग-अलग बैठक की थी। रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में अनुसूचित समाज से जुड़े सरकार के मंत्रियों, विधायकों व अनुसूचित मोर्चे के पदाधिकारियों को बैठक में बुलाया गया है। इस बैठक में बीएल संतोष, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह दलितों को भाजपा से जोड़ने के मुद्दे पर विचार विमर्श कर आवश्यक रणनीति बनायेंगे। इस बैठक के बाद भाजपा दलितों को जोड़ने के लिए प्रदेशव्यापी अभियान की घोषणा भी कर सकती है। इस बैठक में जो भी तय होगा, उस कार्यक्रम व अभियान की घोषणा 14 जुलाई को होने वाली प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में की जायेगी। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में अनुसूचित मोर्चे के पदाधिकारियों व अनुसूचित समाज के सांसद, विधायक व मंत्रियों की विशेष रूप से ड्यूटी लगाई जायेगी। राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष ने कहा कि संगठन के विस्तार का कार्य निरंतर व अनवरत चलता है।

दहेज की मांग पूरी नहीं करने पर दिया तीन तलाक

जयपुर (हिंस)। विश्वकर्मा थाना इलाके में पति ने फोन कर पत्नी को तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दहेज की मांग पूरा नहीं करने पर पत्नी को छोड़ा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। जांच अधिकारी एसआई चन्द्रभान सिंह ने बताया कि विश्वकर्मा निवासी 29 वर्षीय एक महिला ने मामला दर्ज करवाया कि साल-2019 में उसका निकाह हुआ था। निकाह के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर पति और ससुरालवालों ने टॉर्चर करने लगे। दहेज में पांच लाख रुपए लेकर आने की मांग करने लगे। दहेज की मांग पूरी नहीं करने पर साल-2023 में उसे ससुराल से निकाल दिया। अपने पीहर में रह रही पीड़िता ने महिला थाना पश्चिम में आरोपी पति और ससुरालवालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करवाया। आरोप है कि पिछले दिनों आरोपी पति ने पत्नी को कॉल कर तीन बार तलाक बोलकर छोड़ दिया। दहेज मांग को पूरी नहीं करने पर उसे तीन तलाक दिया गया।

जगन्नाथ यात्रा...हरे रामा हरे कृष्णा के जयकारों से गूंजा गुरुग्राम

गुरुग्राम (हिंस)। इस्कॉन की ओर से रविवार को शहर में भगवान जगन्नाथ यात्रा का आयोजन किया गया। सेक्टर-45 स्थित इस्कॉन मंदिर से शुरू हुई यह यात्रा नए व पुराने गुरुग्राम के कई इलाकों से होकर निकली। इस्कॉन से जुड़े श्रद्धालु तथा स्थानीय धार्मिक प्रवृति के लोगों ने इस यात्रा में शिरकत करके भगवान जगन्नाथ को नमन किया। यह यात्रा सेक्टर 40 व 31 की मार्किट से होती हुई झाड़सा, पटेल नगर, अग्रवाल धर्मशाला, गुरुद्वारा रोड होती हुई सिद्धेश्वर मंदिर पहुंची। श्रद्धालु फूलों, पत्तों व रिब्बन से सजे विशाल रथ में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को विराजमान कराकर रथ को स्वयं ही खींच रहे थे। श्रद्धालुओं में विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सभी श्रद्धालु हरे रामा हरे कृष्णा का उद्घोष करते दिखाई दिए। रथ खींचने वाले श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। वे रथ खींचने के लिए प्रतीक्षा करते दिखाई दिए। रथयात्रा में श्रद्धालु विभिन्न परिधानों में सुसज्जित होकर नृत्य करते नजर आए। इस्कॉन मंदिर के अध्यक्ष अच्युत हरिदास ने बताया कि कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर जगन्नाथ रथयात्रा में चार चांद लगा दिए। यात्रा का मुख्य आकर्षण क्रेन के माध्यम से भगवान जगन्नाथ,

बलभद्र और सुभद्रा को दिया जाने वाला 56 भोग लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। शहरवासियों ने भी खुले दिल से जगन्नाथ रथयात्रा का विभिन्न स्थानों पर फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। रथयात्रा को देखने के लिए शहरवासियों का सड़कों के दोनों ओर जमावड़ा लगा रहा। उन्होंने भगवान जगन्नाथ की अर्चना कर अपनी मनोकामना पूर्ण होने की कामना भी की। रथयात्रा में किसी प्रकार का व्यवधान पैदा न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने भी समुचित व्यवस्था की हुई थी। यात्रा के निकलने वाले रुट पर यातायात को डायवर्ट भी कर दिया गया था, ताकि यातायात बाधित न हो और वाहन चालकों को भी किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। पुलिस के उच्चाधिकारी भी रथयात्रा की पल-पल की जानकारी लेते दिखाई दिए। महिलाएं भी इस रथयात्रा में बड़ी संख्या में शामिल हुई। उन्होंने डांडिया नृत्य की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया।

झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से जुड़े लोगों की 4.42 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क, चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली ।
रीता लाल को छोड़कर अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र भी रांची की एक विशेष पीएमएलए अदालत में दायर किया गया। इस मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता और पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के अलावा लाल और जहांगीर आलम को गिरफ्तार किया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के एक मामले की जांच के तहत झारखंड के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, उनके पूर्व निजी सचिव और सहयोगी के घरेलू सहायक की चार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है।

एक बयान में कहा कि उसने आलमगीर आलम, उनके पूर्व पीएस संजीव कुमार लाल, लाल की पत्नी रीता लाल और घरेलू सहायक जहांगीर आलम के खिलाफ चार जुलाई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है।

कुर्की के तहत दर्ज इन सभी संपत्तियों का कुल मूल्य 4.42 करोड़ रुपये है। कहा कि रीता लाल को छोड़कर इन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र भी रांची की एक विशेष पीएमएलए अदालत में दायर किया गया। इस मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता और पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के अलावा लाल और जहांगीर आलम को गिरफ्तार किया था।

ईडी ने छह मई को संजीव कुमार लाल और जहांगीर आलम के यहां छापा मारा था और उनके नाम पर एक फ्लैट से कुल 32.2 करोड़ रुपये बरामद किए थे। इस मामले में चार पहिया और दो पहिया वाहन, आभूषण और डिजिटल उपकरणों के अलावा कुल 37.55 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई है। जांच राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं से संबंधित है, जिसका नेतृत्व कभी आलमगीर आलम करते थे। ईडी ने दावा किया कि जांच में पाया गया कि निविदा आवंटन के लिए कुल निविदा मूल्य का 3.2 प्रतिशत ठेकेदारों से लिया जाता था, जिसे झारखंड सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग में ऊपर से नीचे तक मशीनीकृत तरीके से वितरित किया जाता था। जिसमें मंत्री (पूर्व) आलमगीर आलम के लिए लगभग 1.5 प्रतिशत का कमीशन भी शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में रिज़्टा की डिलीवरी शुरू

नई दिल्ली । भारत में एथर एनर्जी ने रिज़्टा ई-स्कूटर की डिलीवरी शुरू कर दी है। स्कूटर की डिलीवरी अभी चुनिंदा शहरों में की जा रही है। सीईओ तरूण मेहता ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान किया है। फिलहाल यह डिलीवरी,अहमदाबाद, दिल्ली, लखनऊ, आगरा, जयपुर, नागपुर और आंध्र प्रदेश में शुरू हुई है। जल्द ही कंपनी अन्यों शहरों में भी इसकी डिलीवरी शुरु करेगी। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में दो बैटरी पैक दिए गए हैं। पहला 2.9 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक, जो सिंगल चार्ज पर 105 किमी की रेंज और दूसरा 3.7 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक 125 किमी की रेंज देने का दावा करता है।इस स्कूटर को आईपी67 की मानक रेटिंग भी मिली हुई है।अथेर रिज्टा में टीएफटी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल के साथ टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, पार्क असिस्ट, ऑटो हिल होल्ड जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसमें स्मार्ट ईको और जिप मोड मिलते हैं। अथेर रिज्टा 0-40 केएमपीएच की स्पीड 3.7 सेकंड में हासिल कर सकता है। इसकी टॉप स्पीड 80 किमी/प्रतिघंटा है।

सरकार ने स्टील, एल्युमीनियम के बर्तनों पर आईएसआई मार्क अनिवार्य किया

नई दिल्ली । सरकार ने स्टेनलैस स्टील और एल्युमीनियम के रसोई के बर्तनों का राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य कर दिया है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने कहा कि यह फैसला उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रलय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 14 मार्च को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी कर रसोई के इन बर्तनों के लिए आईएसआई मार्क अनिवार्य कर दिया था। बीआईएस ने भारतीय मानक संस्थान (आईएसआई) चिह्न को निर्धारित किया है। यह उत्पाद की गुणवत्ता तथा सुरक्षा का आश्वासन देता है। बीआईएस के अनुसार आदेश में ऐसे किसी भी स्टेनलेस स्टील या एल्युमीनियम बर्तनों के विनिर्माण, आयात, बिक्री, वितरण, भंडारण या प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया गया है जिन पर बीआईएस मानक चिह्न न हो। बयान में कहा गया कि आदेश का अनुपालन न करने पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद अखंडता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह कदम बीआईएस द्वारा रसोई के सामान के लिए हाल ही में तैयार किए गए व्यापक मानकों के अनुरूप है, जिसमें स्टेनलेस स्टील के लिए आईएस 14756 : 2022 और एल्युमीनियम के बर्तनों के लिए आईएस 1660 : 2024 शामिल हैं। मानकों में सामग्री की आवश्यकताएं, डिजाइन विनिर्देश और प्रदर्शन मापदंड शामिल होते हैं।

मालदा का मशहूर आम विदेश में नहीं हुआ निर्यात

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मालदा से आमों का निर्यात इस साल प्रभावित हुआ है, क्योंकि निर्यातक विदेशी खरीदारों से अच्छी कीमत हासिल करने में विफल रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि विक्रेताओं को घरेलू बाजार में आकर्षक मूल्य मिल रहे हैं। ब्रिटेन और यूएई के आयातकों ने शुरू में रुचि दिखाई थी, हालांकि कीमत पर सहमति नहीं बनने के चलते निर्यात नहीं हुआ। अधिकारियों ने कहा कि दूसरी ओर विक्रेताओं को घरेलू बाजार से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। दिल्ली में एक प्रदर्शनी में लगभग 17 टन मालदा आम 100 रुपये से 150 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच बिका। कम फसल और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन के कारण थोक कीमतों में 50-80 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मालदा के बागवानी उपनिदेशक सामंत लायेक ने बताया कि इस साल, ब्रिटेन और दुबई के खरीदारों ने निर्यात सौदे रद्द कर दिए, जिन्होंने शुरू में रुचि दिखाई थी।

लगातार सातवीं बार बजट पेश कर रिकॉर्ड बनाएंगीं निर्मला सीतारमण, पूर्व पीएम से भी निकल जाएंगीं आगे

नई दिल्ली ।
बजट सत्र की तारीखों का एलान हो चुका है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश करेंगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट कर बजट सत्र की तिथियों का एलान किया है। उन्होंने बताया कि आगामी बजट सत्र का शुभारंभ 22 जुलाई को होगा। यह 12 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में पूर्ण बजट पेश करेंगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री सीतारमण 23 जुलाई को लगातार सातवां बजट पेश करेंगी।

23 जुलाई को लगातार सातवां बजट पेश कर पूर्व पीएम से आगे निकल जाएंगी वित्त मंत्री

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता व विकसित भारत की दिशा तय करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। 23 जुलाई को सीतारमण लगातार सातवां बजट पेश करके वित्त मंत्री सीतारमण एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने वित्त मंत्री रहते हुए लगातार छह बार बजट पेश किया था। निर्मला सीतारमण ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पिछले महीने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला।

सीतारमण के नाम पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनने का भी रिकॉर्ड

सीतारमण के नाम मोदी सरकार में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्री के रूप में शामिल होने वाली पहली महिला बनने का रिकॉर्ड भी है। अपने राजनीतिक करियर में उन्होंने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। 2017 में पहली महिला रक्षा मंत्री बनी। इससे पहले वह उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री थीं। अरुण जेटली (वित्त मंत्री 2014-19) के बीमार होने पर सीतारमण ने 2019 के आम चुनाव के बाद नव निर्वाचित मोदी सरकार में वित्त विभाग का प्रभार संभाला था। वह स्वतंत्र भारत में पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनीं। इससे पहले, इंदिरा गांधी ने भारत की प्रधानमंत्री रहते हुए थोड़े समय के लिए अतिरिक्त विभाग के रूप में वित्त का कार्यभार संभाला था। सीतारमण का जन्म 18 अगस्त 1959 को मदुरै में रेलवे में कार्यरत नारायण सीतारमण और सावित्री के घर हुआ था। सीतारमण ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और एमफिल की है।

वैश्विक रुख और कंपनी के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी

मुंबई । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होंगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पहली तिमाही के परिणाम भी आएंगे जो बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सप्ताह की रिकॉर्ड तेजी के बाद स्थानीय बाजारों में कुछ नरमी दिख सकती है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों का सत्र इस सप्ताह शुरू हो रहा है। 11 जुलाई को टीसीएस और 12 जुलाई को एचसीएल टेक्नोलॉजीज के तिमाही नतीजे आएंगे। इसके अलावा सरकार 23 जुलाई को 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। शेयर बाजार के लिए यह एक प्रमुख घटनाक्रम होगा। बाजार को उम्मीद है कि सरकार बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों की घोषणा करेगी। साथ ही मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। साथ ही कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े, औद्योगिकी उत्पादन के आंकड़े, फेडरल रिजर्व प्रमुख का संबोधन, ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े, अमेरिका के उपभोक्ता मुद्रास्फीति तथा बेरोजगारी दावे के आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का सत्र शुरू हो रहा है। आईटी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस से इसकी शुरुआत हो रही है। बाजार बेहतर नतीजों की उम्मीद कर रहा है।

टमाटर की बढ़ती कीमत पर सरकार अलर्ट, जल्द मिलेगी राहत,दक्षिणी राज्यों से ताजा फसल जल्द ही बाजारों में आने की संभावना

नई दिल्ली ।
बरसात शुरू होने के साथ एक बार फिर से सब्जियों की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। इसमें प्याज-टमाटर ने तो रसोई का बजट ही बिगाड़ दिया है। दिल्ली, कानपुर और कोलकाता सहित कई शहरों में टमाटर 70 से 90 रुपये किलो बिक रहा है। इस बढ़ी कीमत पर सरकार भी अलर्ट हो गई है और आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए उपाय में जुट गई है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही ये कीमतें कम हो सकती हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों से ताजा फसल जल्द ही बाजारों में आने वाली है, जिससे कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। मंत्रालय ने इसके साथ ही कहा है कि अच्छी बारिश के कारण प्रमुख सब्जियों की गर्मियों की बुवाई तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने मानसून में देरी और तेज तापमान के बाद भारी बारिश ने सब्जियों की सप्लाई को कई जगह रोक दिया है। वैसे जून और जुलाई के महीने में टमाटर महंगे हो भी जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कारोबारियों का कहना है कि तेज लू के कारण टमाटर सहित कई सब्जियां खेत में ही खराब हो गईं, जिस कारण इस बार ये इतना महंगा हो गया। उन्होंने कहा कि किसानों को कोई मुनाफा नहीं हो रहा, क्योंकि गर्मी के कारण फसल बहुत तेजी से खराब हो गई। वहीं दिल्ली की आजादपुर थोक मंडी के एक अधिकारी ने कहा कि प्याज की सप्लाई खत्म हो गई है और फिलहाल सिर्फ हिमाचल प्रदेश से टमाटर की सप्लाई हो रही है। हालांकि अब उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कीमतें जल्द ही कम होने की उम्मीद जताई है। मंत्रालय ने कहा कि आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कर्नाटक के कोलार जैसी जगहों पर टमाटर की अच्छी फसल हुई है। बयान में कहा गया है कि कोलार में टमाटर चुनना शुरू हो गया है और कुछ दिनों में बाजार में दस्तक देने लगेगा। इसके बाद हफ्तेभर में ही कीमतें कम हो जाएंगी।

जेप्टो बिक्री मामले में डी-मार्ट को पछाड़ सकती है: अधिकारी 5-10 वर्षों में 2.4 लाख करोड़ हो सकता है जेप्टो का राजस्व

नई दिल्ली ।
क्विक कॉमर्स यूनिकॉर्न जेप्टो की बिक्री अगले 18-24 महीनों में ऑफलाइन रिटेल दिग्गज डीमार्ट से अधिक हो सकती है। इसके साथ ही जेप्टो का वार्षिक राजस्व अगले 5-10 वर्षों में 2.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में नई दिल्ली में सातवें जेआईआईएफ फाउंडेशन डे कार्यक्रम के दौरान कहा। उन्होंने कहा कि डीमार्ट एक 30 अरब डॉलर की कंपनी है और हमारी बिक्री उससे सिर्फ 4.5 गुना कम है।

यदि हम सही तरीके से काम करने में सक्षम रहते हैं, तो हम हर साल 2-3 गुना बढ़ते रहेंगे और अगले 18-24 महीनों में उसे पछाड़ सकते हैं। यदि हम सही तरीके से काम करते हैं, तो हम इस व्यवसाय को आज की 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की टॉप लाइन से अगले 5-10 वर्षों में संभावित रूप से 2.5 लाख करोड़ रुपये की टॉप लाइन तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी का ध्यान देश के टॉप 40 शहरों के 50-75 मिलियन घरों पर रहेगा, जो देश में किराना

और दैनिक आवश्यकताओं की खरीदारी का अधिकांश हिस्सा हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारतीय किराना बाजार वित्त वर्ष 2029 तक 850 अरब डॉलर का होगा, जिसमें से ये घर 400 अरब डॉलर का योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि किराना सभी श्रेणियों से बड़ा है जो अमेजान और फिल्पकार्ट मिलकर सेवा देते हैं। यदि आप इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, फर्नीचर आदि सभी को जोड़ लें और उसे दोगुना भी कर दें, तब भी यह किराना और घरेलू आवश्यकताओं जितना बड़ा नहीं है।

फूड पैकेट पर शुगर-सॉल्ट की जानकारियां अब साफ साफ आएंगी नजर, बोल्ड और बड़े अक्षरों में दिखेगा सब

नई दिल्ली ।
फूड आइटम के पैकेट पर कुल चीनी, नमक और संतृप्त वसा को लेकर अब सभी जानकारियां साफ नजर आएंगी। दरअसल, फूड आइटम के पैकेट पर पोषण से जुड़ी जानकारियों को लेकर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की ओर से एक नए प्रस्ताव को लेकर मंजूरी मिल चुकी है। पोषण से जुड़ी जानकारियां बोल्ड अक्षरों में आए नजर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने जानकारी देते हुए कहा है कि मंजूरी मिल चुके इस प्रस्ताव में फूड आइटम के पैकट पर पोषण से जुड़ी जानकारियों को बोल्ड और बड़े आकार के फॉन्ट के साथ डिस्प्ले किए जाने की बात कही गई है। मंत्रालय ने कहा कि अनुशंसित आहार भत्ते में प्रति सर्व प्रतिशत योगदान के बारे में जानकारी कुल चीनी, कुल संतृप्त वसा और सोडियम सामग्री के लिए मोटे अक्षरों में दी जाएगी। खाद्य प्राधिकरण की 44वीं बैठक में लिया गया फैसला खाद्य सुरक्षा और मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020 में संशोधन करने का यह फैसला खाद्य

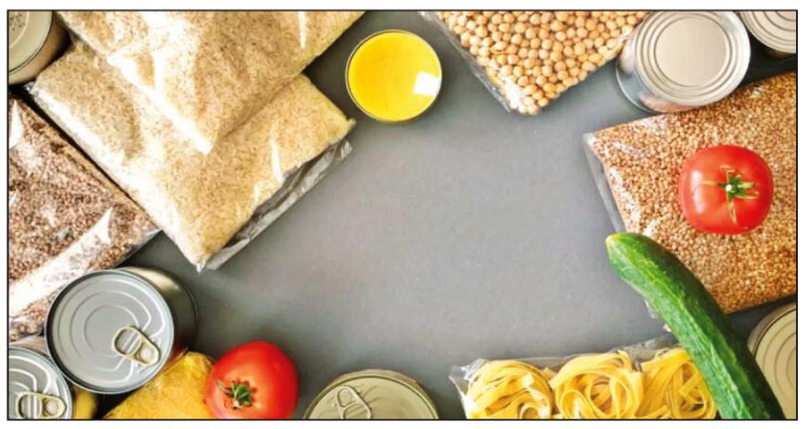

प्राधिकरण की 44वीं बैठक में लिया गया। विनियम 2 (1) और 5(3) खाद्य उत्पाद लेबल पर सर्विंग साइज और पोषण संबंधी जानकारी का उल्लेख करने की आवश्यकताओं को दर्शाते हैं। उपभोक्ता उत्पाद के पोषण मूल्य को बेहतर ढंग से समझें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा, संशोधन का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके द्वारा उपभोग किए जा रहे उत्पाद के पोषण मूल्य को बेहतर ढंग से समझने और स्वस्थ निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाना है।

हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह के खिलाफ रिपोर्ट प्रकाशित करने से पहले मार्क किंगडन को दिखाई, सेबी का दावा

नई दिल्ली ।

सेबी ने हिंडनबर्ग पर गैर-सार्वजनिक और भ्रामक सूचनाओं का इस्तेमाल करके अडानी समूह के शेयरों की शॉर्ट सेलिंग गलत तरीके से लाभ कमाने का आरोप लगाया।

बाजार नियामक सेबी के अनुसार अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह के खिलाफ अपनी रिपोर्ट प्रकाशित करने से करीब दो महीने पहले न्यूयॉर्क स्थित हेज फंड मैनेजर मार्क किंगडन के साथ साझा की थी। और शेयर मूल्य में उतार-चढ़ाव से होने वाले नुकसान को साझा करने के सौदे से लाभ कमाया था।

सेबी का आरोप- रिपोर्ट प्रकाशित कर हिंडनबर्ग ने कमाया अनुचित लाभ

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने हिंडनबर्ग को भेजे गए अपने 46 पन्ने के कारण बताओ नोटिस में बताया कि कैसे अमेरिकी शॉर्ट सेलर, न्यूयॉर्क हेज फंड और कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े एक ब्रोकर ने रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद

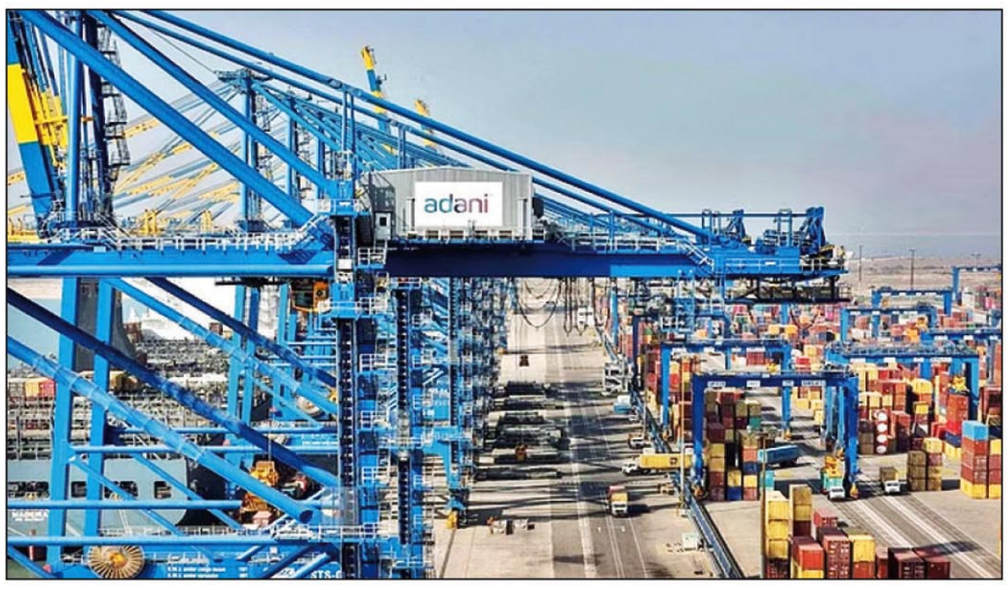

अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध फर्मों के बाजार मूल्य में 150 अरब डॉलर से अधिक की गिरावट से लाभ कमाया।

सेबी ने हिंडनबर्ग पर गैर-सार्वजनिक और भ्रामक सूचनाओं का इस्तेमाल करके अडानी समूह के शेयरों की शॉर्ट सेलिंग गलत तरीके से लाभ कमाने का आरोप लगाया। वहीं सेबी नोटिस को सार्वजनिक करने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपने जवाब में कारण बताओ नोटिस को भारत में सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने और डराने का प्रयास बताया है। हिंडनबर्ग ने दावा किया कि अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के खिलाफ दांव लगाने के लिए माध्यम कोटक महिंद्रा (इंटरनेशनल) लिमिटेड था, जो कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड की मॉरीशस स्थित सहायक कंपनी है।

कोटक महिंद्रा बैंक को लेकर किया दावा

कोटक महिंद्रा (इंटरनेशनल) लिमिटेड के फंड ने अपने ग्राहक किंगडन कैपिटल मैनेजमेंट के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड पर दांव लगाया।

सेबी नोटिस में एईएल में फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट बेचने के लिए हेज फंड के एक कर्मचारी और केएमआईएल ट्रेडर्स के बीच चैट के अंश शामिल हैं।

सेबी ने पिछले साल सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त पैनल को बताया था कि वह 13 अपारदर्शी संस्थाओं की जांच कर रहा है, जिनके पास अदाणी समूह के शेयरों में 14 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी है।

सेबी ने न केवल हिंडनबर्ग को बल्कि कोटक महिंद्रा इंटरनेशनल लिमिटेड, किंगडन और हिंडनबर्ग के संस्थापक नाथन एंडरसन को भी नोटिस भेजा है। वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी, ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में दावा किया कि किंगडन का चीन से संबंध है। उन्होंने दावा किया कि किंगडन की शादी चीनी जासूस अनला चेंग से हुई है।

जय शाह बोले- वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंनशिप फाइनल-चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित कप्तान होंगे : मुझे भरोसा है उन्हीं की कप्तानी में इन दोनों टूर्नामेंट में चैंपियन बनेंगे

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेक्रेटरी जय शाह ने कहा है कि टी-20 वर्ल्ड कप के बाद हम रोहित की कप्तानी में ही 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंनशिप फाइनल जीतेंगे। शाह ने वीडियो जारी कर टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैंने राजकोट में बोला था कि जून 2024 में हम दिल भी जीतेंगे, कप भी जीतेंगे। भारत का झंडा भी गाड़ेंगे और हमारे कप्तान ने झंडा गाड़ दिया। इस जीत में आखिरी पांच ओवर का बहुत बड़ा योगदान था। इस योगदान के लिए मैं सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। इस जीत के बाद अगला पड़ाव है वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंनशिप फाइनल और चैंपियंस ट्रॉफी। मुझे पूरा भरोसा कि रोहित शर्मा की कप्तानी में हम इन दोनों टूर्नामेंट में चैंपियन बनेंगे।

शाह ने टी-20 वर्ल्ड कप की जीत को द्रविड़, रोहित, कोहली और जडेजा को डेडिकेट किया शाह ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप की जीत को मैं कोच राहुल द्रविड़, कैप्टन रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा को डेडिकेट करना चाहता हूं। बीते एक साल में ये हमारा तीसरा फाइनल था। जून 2023 में हम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में हारे। नवंबर 2023 में दस जीत के बाद हम दिल जीते, लेकिन कप नहीं जीत पाए।

चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान और टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल इंग्लैंड में खेला जाना है

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान में खेला जानी है। चैंपियंस ट्रॉफी का पहला मैच 19 फरवरी 2025 को खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला 9 मार्च को होगा। वहीं, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल जून में लंदन के लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

भारत ने दूसरी बार जीता टी-20 वर्ल्ड कप

भारत ने इस बार दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता। इससे पहले भारत ने 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। 17 साल पहले जब टी-20 वर्ल्ड कप जीता था, तब महेंद्र सिंह धोनी टीम इंडिया के कप्तान थे।

न्यूज ब्रीफ

दिग्गज रेसलर जॉन सीना ने वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट से संन्यास की घोषणा की

न्यूयॉर्क। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के दिग्गज रेसलर जॉन सीना अपने लीजेंड्री करियर का जल्द ही अंत करने जा रहे हैं। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में जॉन सीना ने इन-रिंग प्रतियोगिता से संन्यास की घोषणा की है। वह 2025 में वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट को अलविदा कहेंगे। जॉन सीना कनाडा के टोरंटो में डब्ल्यूडब्ल्यूई मनी इन द बैंक शो में लौटे। उन्होंने सभी फैंस को चौंकाते हुए अचानक एंट्री की। इसके बाद उन्होंने कहा, मैं आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट से अपनी रिटायरमेंट की घोषणा कर रहा हूं। जॉन सीन की इस घोषणा ने उनके प्रशंसकों को दुखी कर दिया है। एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट किया, आपको याद करेंगे चैंपियन। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा- सीना के बिना डब्ल्यूडब्ल्यूई देखना मुश्किल होगा। सीना ने खुलासा किया कि वह फिलहाल मंडे नाइट रॉ में बने रहने की योजना बना रहे हैं। दरअसल, मंडे नाइट रॉ शो जनवरी 2025 में नेटफ्लिक्स पर लॉन्च होने जा रहा है। सीना ने कहा- मैं संन्यास नहीं लूंगा। यह विदाई, यह रात खत्म नहीं होती है। उन्होंने कहा, हर कोई मंडे नाइट रॉ को अगले साल इतिहास बनाते देखना चाहता है। जब यह शो नेटफ्लिक्स पर आएगा तो इतिहास रचा जाएगा। मैं कभी भी नेटफ्लिक्स पर रॉ का हिस्सा नहीं रहा, यह इतिहास है। यह पहली बार है, और मैं वहां रहूंगा। उस इतिहास का गवाह बनूंगा।

प्रियांशु राजावत ने किया उलटफेर, डेनमार्क के इस खिलाड़ी को हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराया। राजावत ने एंटोनसेन को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। राजावत शानदार लय में दिख रहे हैं और उन्होंने अपना प्रदर्शन इस शीर्ष वरीय खिलाड़ी के खिलाफ भी जारी रखा और कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने एक घंटे 19 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में एंटोनसेन को 21-11, 17-21, 21-19 से हराया। यह पहला अवसर है जब इस 22 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया। राजावत दूसरी बार विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना फ्रांस के अलेक्स लेनियर से होगा। राजावत ने अच्छी शुरुआत की तथा पहले गेम में एक समय वह 7-4 से आगे थे।

बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने बढ़ायी टिकटों की कीमतें

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस साल नवंबर-दिसंबर में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ा दी हैं। सीए का कहना है कि दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबलों को देखते हुए इसके टिकटों की मांग तेजी से बढ़ी है। सीए के अनुसार टिकटों की संख्या में रिकॉर्ड छह गुना वृद्धि हुई है। साथ ही कहा कि बॉक्सिंग डे टेस्ट के टिकटों की सबसे ज्यादा मांग है। साथ ही कहा कि साल 2018 और 19 की तुलना में खरीदार टिकटों की ज्यादा कीमत देने के लिए तैयार हैं। सीए के इवेंट और ऑपरेशंस के महाप्रबंधक जोएल मॉरिसन ने कहा कि हम भारी तादाद में भारतीय प्रशंसकों के बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करने की योजना की जानकारी मिलने के बाद से ही उत्साहित हैं। साथ ही कहा कि हम भारतीय प्रशंसकों का स्वागत करने बेताब हैं। हम इसमें भाग लेने वाले सभी लोगों को एक सुखद और यादगार यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमारा भरोसा है कि यह सीरीज आने वाले कई वर्षों तक याद रखी जाएगी। सीए भारतीय प्रशंसकों के लिए इस बार विशेष फैन ज़ोन भी बना रहा है। इन विशेष रूप से डिजाइन किए गए क्षेत्रों का उद्देश्य भारतीय समर्थकों के लिए एक जीवंत और स्वागत योग्य माहौल बनाना है, सीरीज के दौरान सभी स्थानों पर प्रशंसकों के बीच समुदाय और उत्सव की भावना को बढ़ावा देना है। बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 22 नवंबर से 26 नवंबर तक पर्थ स्टेडियम में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी।

सरकार की ओर से राहुल द्रविड़ को भारत रत्न से सम्मानित करना उचित होगा : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा है कि ये उचित होगा कि सरकार राहुल द्रविड़ को भारत रत्न दे। द्रविड़ ने हाल में ही टी20 विश्व कप 2024 के बाद अपना ढाई साल का कोचिंग कार्यकाल समाप्त किया है। द्रविड़ की कोचिंग में भारत ने 2023 के वनडे विश्व कप और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भी जगह बनाई थी और उसी साल एशिया कप में भी जीत दर्ज की थी।

भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ ने अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 24,177 रन बनाए हैं, वे एनसीए के हेड भी रहे हैं और उन्होंने हेड कोच रहते हुए भारत को 2018 का अंडर 19 विश्व कप भी जिताया था।

गावस्कर ने एक कॉलम में लिखा, द्रविड़ ने जो किया है उसको देखते हुए भारत सरकार द्वारा उनको भारत रत्न का सम्मान दिया जाना उचित होगा। वे महान खिलाड़ी और कप्तान रहे हैं, उन्होंने वेस्टइंडीज में तब बहुत मायने रखने वाली लोकप्रिय सीरीज जीत हासिल की थी और इंग्लैंड में भी जीत हासिल करने वाले केवल तीसरे भारतीय कप्तान हैं। उन्होंने नेशनल क्रिकेट अकादमी के चेयरमैन के पद पर रहते हुए कभी प्रतिभाओं को निखारा और फिर सीनियर टीम के कोच रहे।

साल की शुरुआत में कुछ नेताओं को भारत रत्न दिया गया था जिन्होंने समाज के लिए महत्वपूर्ण सेवा की थी। हालांकि उनका ज्यादातर प्रभाव उनकी पार्टी और देश के उस हिस्से तक ही सीमित था, जहां से वे आए थे।

द्रविड़ की उपलब्धियों ने पूरे देश में खुशी दी है जिसमें सभी दल, जाति, पंथ और समुदाय खुश हुए हैं। निश्चित तौर पर राहुल द्रविड़ देश द्वारा दी जाने वाली सर्वोच्च प्रशंसा के हकदार हैं।

गावस्कर ने आगे सभी लोगों से अपील कि वे भारत सरकार से पूछने में मेरे साथ शामिल हों कि भारत के महानतम सपूतों में से एक, राहुल शरद द्रविड़ को सम्मानित करके कितना अच्छा लगेगा। गावस्कर ने खिलाड़ी और कोच के तौर पर राहुल द्रविड़ के निस्वार्थ रवैये की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी द्रविड़ से कहा गया, उन्होंने वह किया।

उन्होंने अपने खेल के दिनों में द्रविड़ के , जो भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में उनके समय में भी जारी रहा। जब वह खेल रहे थे, द्रविड़ ने वह सब कुछ किया जो उनसे कहा गया था। जब दिन के खेल के अंतिम क्षणों में कोई भारतीय विकेट गिरने पर वे निचले बल्लेबाज को नाइटवॉचमैन के तौर पर भेजने की जगह पर खुद आते थे। उन्होंने टीम के कहने पर विकेटकीपिंग भी की क्योंकि इससे टीम के थिंक-टैंक को पिच और विपक्ष के अनुसार एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज चुनने में मदद मिलती थी।

गावस्कर ने कहा कि ये टीम के लिए खेलने का रवैया है जो उन्होंने टीम में विकसित किया है और यह जारी रहा, तो भारतीय टीम कई और ट्रॉफी और सीरीज जीतेगी। द्रविड़ के स्वभाव में जो शांति है उसका असर भी टीम पर पड़ा होगा, जैसे कि भारत ने पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ करीबी मुकाबलों में अपने जज्बे पर काबू बनाए रखा। वे पूरी कृतज्ञता के साथ उच्च स्तर पर अपना कार्य पूरा करके चले गए।

इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश की मेजबानी के लिए तैयार है पीसीबी : नकवी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि इस बार उनका इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश की टीमों उनके यहां दौरे पर आयेंगी और बोर्ड इन मुकाबलों की मेजबानी के लिए तैयार है। पीसीबी ने कहा कि उनकी टीम इस सत्र में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज सहित नौ टेस्ट, 14 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। साथ ही कहा कि इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम होंगे। इंग्लैंड की टीम अक्टूबर में तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए पाक पहुंचेगी। इसके अलावा बांग्लादेश और वेस्टइंडीज की टीमें भी पाक का दौरा करेंगी। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा, 'इन सीरीजों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान की मेजबानी को लेकर बीच हुई आशंकाएं भी समाप्त हो जाएंगी। पीसीबी ने अपने एक बयान में कहा कि बांग्लादेश की टीम रावलपिंडी में 21 से 25 अगस्त और कराची में 30 अगस्त से तीन सितंबर तक दो टेस्ट खेलेगी और अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरूआत करेगा। इसका समापन नौ मार्च को प्रस्तावित आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी 2025 फाइनल से होगा। पाकिस्तान का मुकाबला तीन टेस्ट में इंग्लैंड से होगा ये मुकाबले मुल्तान में सात से 11 अक्टूबर, कराची में 15 से 19 अक्टूबर और रावलपिंडी में 24 से 28 अक्टूबर तक खेले जाएंगे जबकि वेस्टइंडीज कराची में 16 से 20 जनवरी और मुल्तान में 24 से 28 जनवरी को दो टेस्ट मैचों के लिए दौरा करेगी।

कोच फुल्टन ने दिया हॉकी टीम को गुरूमंत्र, बोले- अपने खेल पर फोकस करें, ओलंपिक पर नहीं..

नई दिल्ली।

भारत में 2018 विश्व कप जीतने वाली बेल्जियम टीम के सहायक कोच रहे फुल्टन को ओलंपिक की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला लेकिन उन्हें कोई मलाल नहीं है। वह पिछले साल अप्रैल में भारतीय टीम से जुड़े थे।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में अब 20 दिन का समय शेष है। इससे पहले भारतीय हॉकी टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है। मुकाबले से पहले टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने खिलाड़ियों को गुरूमंत्र दिया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक का दबाव लिए बगैर फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच पर फोकस रखें। फुल्टन ने कहा, मैं जानता हूं कि टोक्यो ओलंपिक के कांस्य के बाद अपेक्षायें बढी है लेकिन हकीकत यह है कि टीम ने अच्छी प्रगति की है। लंदन ओलंपिक (2012) में 12वें, रियो (2016) में आठवें स्थान से तोक्यो (2020) में तीसरे स्थान पर रहने तक टीम काफी आगे बढ़ गई है। मेरा मंत्र स्पष्ट है कि खेल पर फोकस करें, ओलंपिक पर नहीं। यह हॉकी का ही मैच है और नियम भी बदले नहीं हैं। उन्होंने कहा, आम तौर पर एक ओलंपिक से दूसरे ओलंपिक तक का समय मिलता है लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। हमने मेरे आने के तीन महीने के भीतर एशियाई खेलों का स्वर्ण जीतकर ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया। टीम आत्मविश्वास से भरी है और अच्छा खेल रही है। एफआईएच प्रो लीग में भारत के सातवें स्थान पर रहने या विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर खिसकने से फुल्टन चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, प्रो लीग में हम कुछ मैचों में अच्छा नहीं खेल सके लेकिन उसमें मकसद ओलंपिक के लिये टीम चयन था और काफी बदलाव किये गए। लेकिन सातवें स्थान पर रहने और जीतने वाली टीम में दस अंक का ही अंतर था यानी यह काफी करीबी था हम अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ नहीं खेले। यही वजह है कि रैंकिंग में भी गिरावट आई लेकिन इससे मैं परेशान नहीं हूं।

ओलंपिक से पहले विनेश फोगाट का दमदार प्रदर्शन स्पेन ग्रां प्री के फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वलिफाई कर चुकी भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने स्पेन ग्रां प्री में महिलाओं के 50 किग्रा का स्वर्ण पदक जीता। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विनेश ने फाइनल में मारिया तियुमेरेकोवा को 10-5 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। विनेश को आखिरी समय में शेंगेन वीजा मिला था और उन्होंने बिना किसी परेशानी के तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी।

29 वर्षीय विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ने पहले क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन को अंकों के आधार पर 12-4 से हराया। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता कनाडा की मैडिसन पार्क्स के खिलाफ जीत दर्ज की।

सेमीफाइनल में, विनेश ने एक अन्य कनाडाई केटी डचक को अंकों के आधार पर 9-4 से हराया। स्पेन में अपने प्रशिक्षण-सह-प्रतियोगिता कार्यकाल के बाद, विनेश पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए 20-दिवसीय प्रशिक्षण के लिए फ्रांस जाएंगी।

पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को बेहतर करने उतरेंगे अविनाश और जेना, नीरज नहीं लेंगे हिस्सा

पेरिस।

भारतीय एथलीट इस महीने के अंत में शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। भारत के शीर्ष स्टीपलचेज एथलीट अविनाश साबले और भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना होने वाले डायमंड लीग के पेरिस चरण से अपनी तैयारियों को बेहतर करने उतरेंगे। वहीं, विश्व चैंपियन और टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा जांघ की समस्या के कारण इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। साबले और जेना को करनी होगी फॉर्म में वापसी साबले और जेना दोनों ही फॉर्म में नहीं हैं और उन्होंने ओलंपिक से पहले ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है। पर अब वे पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की कोशिश करेंगे। ओलंपिक में एथलेटिक्स स्पर्धायें एक अगस्त से शुरू होंगी। 29 वर्षीय साबले ने अभी तक दो 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धाओं में हिस्सा लिया है। उन्होंने पोर्टलैंड में 8: 21.85 और पंचकुला में 8: 31.75 का समय निकाला था, जबकि उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 8: 11.20 है। एशियाई खेलों के मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता ने कहा, मैंने पिछले दो साल में गलतियां की हैं। मैं दो विश्व चैंपियनशिप

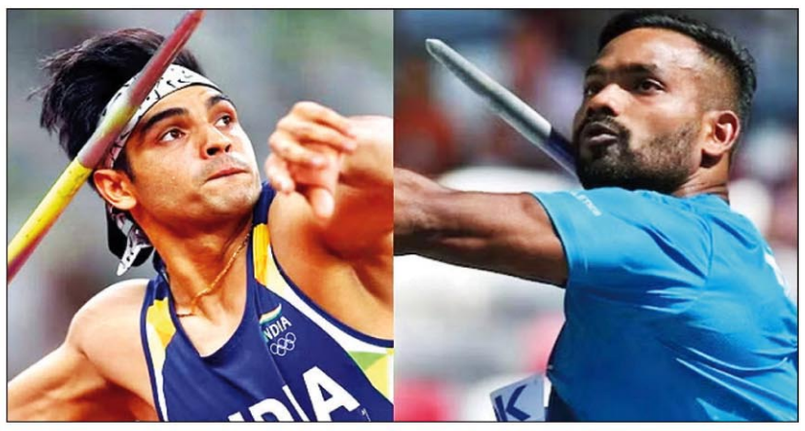

(2022 और 2023) में पूरी तरह फिट था। लेकिन दोनों में अच्छा नहीं कर सका। मैं सुधार करना चाहता हूं और उम्मीद करता हूं कि यह मेरा सर्वश्रेष्ठ ओलंपिक होगा। जेना का भी अब तक का सत्र खराब रहा है। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 76.31 मीटर और फेडरेशन कप में 75.49 मीटर के थ्रो लगाए। उन्होंने राष्ट्रीय अंतर प्रांतीय चैंपियनशिप में 80.84 मीटर से कांस्य पदक जीता था। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 87.54 मीटर है जो उन्होंने 2023 एशियाड में रजत पदक जीतकर हासिल किया था। जेना ने खुलासा किया था कि वह भुवनेश्वर में फेडरेशन कप के बाद बाएं टखने में दर्द से जूझ रहे थे। उन्होंने पिछले हफ्ते पंचकुला में कहा था, दर्द कम हो गया है और अब लगभग ठीक है।

क्या पुर्तगाल के लिए आखिरी मैच खेल चुके फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो

बर्लिन।

क्या फुटबॉल फैंस ने पुर्तगाल की जर्सी में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को आखिरी मैच खेलते देख लिया है यूरो कप 2024 के क्वार्टर फाइनल में फ्रांस से पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हारने के बाद कई फैंस ने सोशल मीडिया पर लिखा कि रोनाल्डो का यह आखिरी मैच था। रोनाल्डो ने पूरे टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया और टीम के बाहर होने से पहले एक भी गोल करने में असफल रहे।

हालांकि, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रोनाल्डो अभी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल छोड़ने के इच्छुक नहीं हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि वह 2026 फीफा विश्व कप में खेलने और ट्रॉफी घर लाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

रोनाल्डो का यूरो 2024 का एक अभियान नीरस रहा था, जिसमें उन्होंने टीम के लिए बहुत कम योगदान दिया। राउंड ऑफ-16 में स्लोवेनिया के खिलाफ पेनल्टी मिलने पर गोल करने में नाकाम रहे रोनाल्डो की टीम को पेनल्टी शूटआउट में गोलकीपर डिओगो कोस्टा ने जीत दिलाई थी। टीम क्वार्टर फाइनल में तो पहुंची, लेकिन फ्रांस के आगे नहीं टिक सकी। इसके बाद रोनाल्डो को भावुक देखा गया था और उन्होंने पेपे को गले भी लगाया था। पेपे का वह आखिरी मैच था। रोनाल्डो जब ड्रेसिंग रूम में वापस लौटे तो पूरा फोकस उन पर था कि क्या यह उनका आखिरी मैच है।

अब रेलेवो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रोनाल्डो ने अभी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को नहीं छोड़ने का फैसला किया है। इसके मुताबिक, रोनाल्डो की नजर 2026 फीफा विश्व कप पर है। वह फीफा विश्व कप के छह संस्करणों में खेलने वाले और स्कोर करने वाले इतिहास के पहले खिलाड़ी बनना चाहते हैं। रोनाल्डो अल नस्र के साथ शानदार सीजन बिताने के बाद यूरो 2024 में खेलने आए थे। उन्होंने अल नस्र क्लब के लिए सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 50 गोल किए, लेकिन उनका गेमप्ले पुर्तगाल की सहायता नहीं कर सका।

स्लोवेनिया के खिलाफ पुर्तगाल की क्वार्टर फाइनल जीत के बाद रोनाल्डो ने कहा था कि यह उनका आखिरी यूरो कप होगा। रोनाल्डो ने कहा था- मेरे पास राष्ट्रीय टीम को आगे रखने का मौका था, लेकिन मैं इसे संभाल नहीं पाया। ओब्लाक ने अच्छा सेव किया। मुझे पेनल्टी की समीक्षा करनी थी, मुझे नहीं पता कि मैंने अच्छा शॉट लगाया या बुरा, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मैंने एक भी बार पेनल्टी मिस नहीं किया था। जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी तब मैंने इसे मिस किया और ओब्लाक ने इसे बचा लिया। सबसे महत्वपूर्ण बात आगे के राउंड के लिए क्वालिफाई करने का आनंद लेना है। टीम ने एक असाधारण काम किया। हमने अंत तक संघर्ष किया और अगर आप मैच का अच्छी तरह से विश्लेषण करते हैं, तो पुर्तगाल इस जीत का हकदार था क्योंकि उनके पास अधिक मौके थे। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय भविष्य पर रोनाल्डो का एक स्पष्ट संकेत आना बाकी है।

ज्यादा शक्कर खाना हो सकता है हानिकारक

अधिक मात्रा में शक्कर का सेवन करने से त्वचा पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। रिसर्च द्वारा यह बात सामने आई है कि शक्कर आपकी त्वचा के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं है,शक्कर त्वचा में मौजूद जल को सोख लेती है और उसे रूखा बना देती है। इससे त्वचा झूलने लगती है। अगर आप ढेरों शक्कर खाती हैं तो उसे बैलेंस करने के लिए ढेर सारा पानी पीना ना भूलें।

काला नमक देता है बड़े फायदे

रोज सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु करें। इससे आपका ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर,ऊर्जा में सुधार, मोटापा और अन्य तरह की बीमारियां ठीक होंगी। काले नमक में 80 खनिज और जीवन के लिए वे सभी आवश्यक प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और प्रोटीन को पचाने वाले इंजाइम को उत्तेजित करने में मदद करते हैं। इससे खाया गया भोजन आराम से पच जाता है।

आयुर्वेद से करें गठिया का उपचार

सामान्यतया गठिया रोग 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को होता है, लेकिन वर्तमान में इसकी चपेट में युवा ही नहीं बच्चे भी आ रहे हैं। गठिया का रोग यानी आर्थराइटिस से शरीर के जोड़ो में दर्द और सूजन आ जाती है। गठिया रोग अचानक नहीं होता बल्कि धीरे-धीरे फैलता है इसलिए गठिया का सही उपचार जरूरी है। जरूरी नहीं है कि आप गठिया के उपचार के लिए एलोपैथ की शरण में ही जाएं, इसके लिए आप आयुर्वेद का सहारा ले सकते हैं। आयर्वेद के जरिए गठिया के सभी प्रकारों जैसे - रूमेटायड आर्थराइटिस, ऑस्टियो आर्थराइटिस, गाउट, जुवेनाइल आर्थराइटिस और ऐंकलूजिंग स्पोंडीलोसिस आदि का उपचार आसानी से कर सकते हैं। इस लेख में विस्तार से जानिए आयुर्वेद के जरिए गठिया का कैसे कर सकते हैं उपचार। आमतौर पर गठिया होने का प्रमुख कारण आनुवांशिक होता है, लेकिन कई बार किसी भयंकर बीमारी या संक्रमित रोग के कारण भी गठिया रोग हो जाता है। आर्थराइटिस को आयुर्वेद में आम-वात के नाम से जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार गठिया होने के कारकों में खराब पाचन, खानपान की गलत आदतें और निश्क्रिय जीवनशैली के साथ ही वात दोष को माना गया है।

आयुर्वेद से उपचार

आयुर्वेद में गठिया का पूरी तरह से इलाज किया जाता है न कि सिर्फ दर्द को खत्म करने की कोशिश की जाती है। यानी गठिया का स्थाई इलाज आयुर्वेद में ही संभव है। गठिया का इलाज लंबा होता है। इसीलिए आयुर्वेद में गठिया के इलाज को योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है इसलिए पीड़ित की जीवनशैली, रहन-सहन और खानपान आदि पर खास ध्यान दिया जाता है।

उपचार के साथ दिनचर्या

गठिया में सिर्फ आयुर्वेदिक औषधियां ही नहीं बल्कि अच्छी खुराक लेने की सलाह भी दी जाती है। दरअसल, आयुर्वेद के इलाज के दौरान, गठिया के मूल कारणों को खोजने और फिर उसका सही रूप में उपचार करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। यदि किसी व्यक्ति में गठिया रोग वात बिगड़ने और दोषपूर्ण पाचन की वजह से हुआ है तो आयुर्वेद में उसके इलाज स्वरूप रोगी की असंतुलित शारीरिक ऊर्जाओं को शांत करने और पाचन क्षमता बेहतर करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

परहेज भी जरुरी

गठिया के उपचार में जितनी जरूरी इसकी चिकित्सा है, उससे कहीं अधिक जरूरी परहेज भी है। रोगी के लिए विशेष प्रकार के व्यायाम कराए जाते हैं और सप्ताह में एक से दो बार सोने के पहले 25 मिलीलीटर एरंड के तेल का दूध के साथ सेवन कराते हैं। इसके अलावा लक्ष्णों व रोग की गंभीरता के आधार पर उपचार किया जाता है। उपचार के दौरान रोगी को दर्द कम करने के लिए एंटी-रुमेटिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री दवाएं दी जाती हैं साथ ही भरपूर आराम करने की सलाह दी जाती है।

उपचार और खानपान

गठिया के मरीजों के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। अधिक तेल व मिर्च वाले भोजन से परहेज रखें और डाइट में प्रोटीन की अधिकता वाली चीजें न लें। भोजन में बथुआ, मेथी, सरसों का साग, पालक, हरी सब्जियां, मूंग, मसूर, परवल, तोरई, लौकी, अंगूर, अनार, पपीता, आदि का सेवन करें। इसके अलावा नियमित रूप से लहसुन व अदरक आदि का सेवन भी इसके उपचार में फायदेमंद है। अर्थराइटिस के इलाज के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बेहद आवश्यक है, साथ ही पाचन तंत्र का भी बेहतर होना जरूरी है। इसलिए नियमित व्यायाम के साथ खानपान का विशेष ध्यान रखें।

क्या आप भी अपने बच्चे को बैठाते हैं वॉकर में?

वॉकर पर बैठे शिशु को इधर-उधर तेज गति से चलते हुए देखकर हर माता-पिता का मन प्रफुल्लित हो उठता है। वॉकर के बारे में ज्यादातर माता-पिता की यह धारणा है कि वॉकर के सहारे शिशु न केवल शीघ्र चलना सीख लेगा, बल्कि उसका शारीरिक विकास भी होगा। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो अलर्ट हो जाए, क्योंकि इस संबंध में जो शोध हुए है उसके अनुसार वॉकर शिशु के विकास को मन्द करता है। यह देखने में आया है कि शिशु के लिए वॉकर का प्रयोग माता-पिता कुछ सीमा तक अपनी सुविधा के लिए करते हैं। यह जानते हुए भी कि शिशु अभी ढंग से बैठना या घुटने के बल रेंगना या चलना नहीं सीखा है। आपको बता दें जिन शिशुओं की उम्र 2 वर्ष से कम है उनके वॉकर की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है।

शिशुओं के एक वृहद समूह के लिए वॉकर का प्रयोग करने व नहीं करने वाले सम्मिलित है, इसका अध्ययन उनके शारीरिक संचारण और मानसिक विकास को लेकर किया गया था।

अनुसंधान में यह उजागर हुआ कि 6 से 15 माह के 109 शिशुओं में से जिन 56 शिशुओं को वॉकर दिया गया था, वो शारीरिक संचारण और मानसिक विकास के मापदंडों जैसे बैठना, रेंगना, चलना शामिल है में बिना वॉकर के 53 शिशुओं से तुलना में काफी पीछे रहे। इस अध्ययन से यह तथ्य सामने आया कि जो शिशु ने वॉकर का प्रयोग नहीं किया था। वो औसतन पांच माह की उम्र में बैठना, आठ माह में घुटने के बल रेंगना और दस माह की उम्र में चलने लायक हो गया था।

क्या कहता है शोध

शोधकर्ताओं के अनुसार शिशु घर के परिवेश में चल फिर कर बहुत सी वस्तुओं की खोज कर काफी कुछ सीखता है। वह किसी चीज या वस्तु को गिराकर फैक कर उसको प्राप्त करने के लिए हर तरह की शारीरिक क्रिया करता है, जो कि वॉकर पर बैठे शिशु के लिए संभव नहीं हो पाता है और ऐसी परिस्थिति में वह अपने स्तर पर अनुसंधान/खोज नहीं कर पाता, जिसके फलस्वरूप उसके ज्ञान और बुद्धि का विकास भी नहीं हो पाता है।

वॉकर के कुप्रभाव

चाइल्ड स्पेशलिस्टस की मानें तो वॉकर के उपयोग में बच्चे के चोट लगने की संभावना रहती है। सामान्य बच्चों की तुलना में वॉकर का उपयोग करने वाले बच्चे सिढियां चढ़ने व उतरने में दिक्कत करते है और गिरने की संभावना ज्यादा रहती है। वॉकर की वजह से हैड इंजरी व मौत तक हो सकती है। अन्य प्रकार की चोटें जैसे फ्रैक्चर, केमिकल्स व जहरीले तरल पदार्थों को पी लेना, पानी का पौंड में डूब जाना शामिल है, होने की संभावना रहती है। एक साल से कम उम्र के बच्चे जिनकी टांगों में वजन झेलने की क्षमता कम होती है, वॉकर में खड़े होने से और टांगों पर जोर पड़ने से गोल मुड़ (बो-लेग्स) जाती है।

मेकअप उतारने के लिए लगाएं बादाम तेल

कई लड़कियों को आंखों पर लगा हुआ काजर और मस्कारा उतारने में थोड़ा समय लगता है। दुनिया की बहुत सी लड़कियों ने आंखों के मेकअप को उतारने के लिए बादाम तेल का इस्तेमाल किया है, जिससे उनका मेकअप बिना महनत किए ही उतर जाता है। बादाम तेल में बिल्कुल भी कैमिकल नहीं होता, जिससे त्वचा पर कोई बुरा असर पड़े। यह चेहरे पर कोमलता का एहसास छोड़ जाता है। इसे चेहरे या आंखों पर लगाने से यह त्वचा से आराम से छूट भी जाता है और बिल्कुल भी नहीं चिपचिपाता।

बादाम का तेल लगाने का तरीका

अपनी उंगलियों पर जरुरत भर का तेल ले कर पूरे चेहरे तथा आंखों पर लगाएं। फिर एक कॉटन बॉल ले कर उसमें गुलाब जल डाल कर चेहरे से एक्सट्रा ऑइल साफ करें।

थोड़ा सा और तेल ले कर आंखों से मस्कारा और आइलाइनर छुड़ा लें। एक बार मेकअप साफ कर लेने के बाद चेहरे को हल्के गरम पानी से धो लें।

चेहरे पर बादाम का तेल लगाने से ना केवल मेकअप साफ होता है, बल्कि चेहरे पर चमक भी आ जाती है। तो अब से बाजारू मेकअप रिमूवर ना खरीद कर बादाम तेल का ही प्रयोग करें।

जानें क्या होते हैं फ्रेकल्स

फ्रेकल्स त्वचा पर होने वाले एक प्रकार के दाग हैं। जो आकार में छोटे, चपटे तथा लाल या भूरे रंग धब्बे होते हैं। यह एक आम समस्या है। यह समस्या आमतौर पर लोगों में पाई जाती हैं और पूरी तरह नुकसानरहित होती हैं। हल्के रंग की त्वचा वाले लोगों में ये ज्यादा पाए जाते हैं क्योंकि उनमें त्वचा को सूर्य किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने वाला केमिकल मैलेनिन (त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न) कम मात्रा में होता है। त्वचा में मैलेनिन के असमान वितरण के कारण ही फ्रेकल्स उत्पन्न होते हैं। किसी एक जगह पर मैलेनिन का अत्यधिक बनना भी फ्रेकल्स बना देता है। फ्रेकल्स अधिक देर तक धूप में रहने का परिणाम हैं जो सूर्य की किरणों से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों में आम पाए जाते हैं। फ्रेकल्स आमतौर से चेहरे, कंधों और बांहों पर पाए जाते हैं। इस लेख को पढ़ें और फ्रेकल्स के बारे में विस्तार से जानें।

फ्रेकल्स के लक्षण: फ्रेकल्स किसी एक धब्बे या गुच्छों के रूप में भी अनियमित विकसित होते हैं, गुच्छों में होने के कारण यह त्वचा पर बहुतायत में देखे जा सकता हैं।

आनुवंशिकी कारण: फ्रेकल्स आनुवांशिक कारणों से भी आपकी त्वचा पर हो सकते है। यानी आपके परिवार में किसी को फ्रेकल्स हों तो आपको भी होने के चांस बढ़ जाते हैं।

धूप भी कारण: धूप में ज्यादा रहने से त्वचा को अधिक मैलेनिन बनाना होता है ताकि सूर्य की हानिकारक किरणों से रक्षा की जा सके। किन्हीं हिस्सों पर मैलेनिन का इस तरह बनना या मैलेनिन का असमान वितरण फ्रेकल्स बना सकता है।

फ्रेकल्स के जोखिम कारण: गोरे रंग के लोगों में फ्रेकल्स होने की आशंका अधिक रहती है क्योंकि ऐसी त्वचा में मैलेनिन कम होता है और यह (धूप में)आसानी से झुलस सकती है।

फ्रेकल्स का उपचार

अधिकतर मामलों में फ्रेकल्स हानिरहित होते हैं और कॉस्मेटिक कारणों को छोड़ दें तो इनका उपचार आवश्यक नहीं होता। त्वचा टोन की रिसेम्बलिंग हेतु एक जैसी टोन लाने के लिए फ्रेकल्स को हल्का करने हेतु ब्लीचिंग क्रीम का उपयोग किया जा सकता है। हालांकि यह प्रभावित त्वचा को असमान बना सकती है और रैशेज की वजह भी बन सकती है। लेजर ट्रीटमेंट या इन्टेन्स पल्सड लाइट थेरेपी पिगमेंटेशन को खत्म कर सकती है लेकिन परिणाम भिन्न हो सकते हैं और अनेक सिटिंग की जरूरत हो सकती है। क्रायोथेरेपी या तरल नाईट्रोजन द्वारा फ्रीजिंग। केमिकल पील्स।

फ्रेकल्स की रोकथाम

चूंकि गोरी त्वचा वाले लोगों को आसानी से फ्रेकल्स हो जाते हैं और सूरज की धूप से त्वचा का निरंतर अत्यधिक क्षतिग्रस्त होना आपके लिए त्वचा कैंसर होने के चांस बढ़ा सकता है। इसलिए रोकथाम के उपाय अपनाए जाने की जरूरत होती है। फ्रेकल्स ऐसी त्वचा का लक्षण है जो आसानी से सनबर्न का शिकार हो सकती है जिससे आगे चलकर त्वचा कैंसर हो सकता है। कम से कम 30 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन इस्तेमाल करें और फिर उपयोग संबंधी लेबल निर्देशों का पालन करें। ज्यादा देर तक धूप में रहने से बचें।

बारिश में सेहतमंद बनाता है अदरक

बारिश के दिनों में भीगने का मजा ही कुछ और है। बाद में सर्दी होने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है। इस दौरान चाय और भोजन में उपयोग किया जाने वाला अदरक आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इसके सूखे हुए स्वरूप को सोंठ कहा जाता है।

अदरक के सेवन से आपकी स्वास्थ्य संबंधी आधी से ज्यादा समस्याएं चुटकियों में दूर हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल हालांकि सालभर किया जाता है, लेकिन बरसात में अपनी डाइट चार्ट में इसको शामिल कर अदरक के कमाल के गुणों का लाभ आप उठा सकते हैं...

बरसात में सर्दी, जुकाम, कफ की समस्या होना आम बात है। इस दौरान गर्मागर्म अदरक का काढ़ा या चाय बेहद लाभ देती है। इसके अलावा अदरक का सेवन तनाव कम करने और थकान दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा गले में इंफेक्शन या दर्द होने पर अदरक और काले नमक का एक साथ सेवन जल्द राहत पहुंचाता है।

खूबसूरती निखारता है अदरक

अदरक स्वाद के साथ ही खूबसूरती भी निखारता है। इसके लेप से त्वचा के दाग मिटने के साथ ही झुर्रियां भी कम होती हैं। जोड़ों के दर्द में भी यह फायदेमंद है। बस आपको दर्द वाली जगह पर अदरक का गर्म लेप लगाना है, इससे काफी फायदा मिलता है। इसके अलावा अमीबिक पेचिश, गठिया, साइटिका जैसी बीमारियों का इलाज भी अदरक में छिपा हुआ है।

श्वास संबंधी रोग में फायदेमंद

आपको बता दें अदरक की गर्म तासीर होने के कारण सांस संबंधी तकलीफ होने पर काफी फायदा मिलता है। नहीं रहेगी अपच की समस्या अदरक पाचन क्रिया को बेहतर करता है। अगर आपको भूख नहीं लग रही है या फिर उदरशूल की समस्या है, तब अदरक आपकी समस्या से छुटकारा दिला सकता है। जी मचलाना या अपच जैसी समस्याओं में भी अदरक बेहद लाभदायक है।

महिलाओं की समस्याएं होगीं दूर

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता और दर्द में भी अदरक के सेवन से निजात मिलती है। इसके अलावा गर्भाशय के कैंसर, डाइबिटीज और ह्दय रोगियों को भी अदरक का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

रेसिपी

ओट्स् रवा इडली

सामग्री

1/2 कप ओट्स का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/2 कप ताजा दही, 2 टी-स्पून धी, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हिंग, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 2 टेबल-स्पून मोटे कटे हुए काजू, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, नमक, स्वाद अनुसार, 1/2 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, **चुपड़ने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** सांभर, नारियल की चटनी

विधि

ओट्स का आटा, सुजी, दही और ¾ कप पानी को एक गहरे बर्तन में मिलाइए और 30 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में धी गरम करें और उसमे सरसों डालिए। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे जीरा और हिंग डाले और मध्यम आंच पर कुछ सेकेंड भुनिए। अब इस तड़के को बाकी बची सामग्री, सिवाय फ्रूट सॉल्ट के, ओट्स और सुजी के मिश्रण के साथ मिलाइए। स्टिम करने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट डाले और उपर से 2 टी-स्पून पानी डाले। बुलबुले आना शूरु हो, तब उसे धीरे से मिलाइए। इडली पात्र को तेल लगाइए और उसमे मिश्रण डालकर स्टिमर में 7 से 8 मिनट इडली पकने तक स्टिम कीजिए। थोड़ा सा ठंडा करें और पात्र से निकाल कर सांभर और नारियल की चटनी के साथ तुरंत परोसे।

पनीर पीटा पॉकिट्स

सामग्री

पीटा ब्रैड: 3/4 कप संपूर्ण गेहूं का आटा, 3/4 स्पून दरदरा ताज़ा खमीर, 1/2 स्पून शक्कर, नमक, 1/2 स्पून तेल गूंधने के लिए, 2 स्पून तेल, 1 स्पून नींबू का रस, 12 मिलीमीटर (1/2) का टुकड़ा कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 स्पून कटा हरा धनिया, 1 स्पून बहुत बारीककटा लहसुन, **पनीर कोलस्लो:** 1/2 कप 12 मिमी. (1/2) के चकोर टुकडो में कटा पनीर, 1 कप कतरी हुई बंद गोभी, 1/2 कप कसी गाजर, 1/2 कप अंडारहित मेयोनीज, 1/2 टी-स्पून सरसों का पाउडर, 1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक तथा ताजी पिसी काली मिर्च , स्वाद अनुसार

विधि

पीटा ब्रैड के लिए: सारी सामग्री को एक बाउल में डालकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम और इलास्टिक जैसा गूंध लीजिए। थोड़ा तेल डालिए और वापस गूंधिए। मलमल के गीले कपड़े से 10 से 20 मिनट तक ढक कर रख दीजिए जब तक फूलकर दुगना नही हो जाता। आटे को हल्के हाथ से दबाइए ताकि सारी हवा बाहर निकल जाए। आटे को 4 बराबर भागो में बांटिए। आटे के प्रत्येक भाग को 100मिमी. (4) व्यास और 6 मिमी. (द) मोटी रोटी के रूप में बेलिए। पीटा ब्रैड को मध्यम आंच पर गरम तवे पर दरारे पड़ने और फूलने तक थोड़ा सा सेकिए पीटा ब्रैड को 2 भागो में काटिए और एक तरफ रख दीजिए। **पनीर कोलस्लो के लिए:** एक बाउल में पनीर और मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथें से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सामग्री डालकर हल्के हाथों से मिलाइए और फ्रिज में रख दीजिए। कोलस्लो को 4 बराबर भागो में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**